E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -147 | प्रयागराज, बुधवार 20 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

रूस-यूक्रेन में फिलहाल सीजफायर नहीं,ट्रम्प ने मीटिंग रोक पुतिन को फोन किया,यूक्रेन सिक्योरिटी गारंटी के बदले रु8 लाख करोड़ के अमेरिकी हथियार खरीदेगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय लीडर्स के साथ मीटिंग की। इसमें रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बनी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। हालांकि, मीटिंग में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा हुई। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर इस पर काम करेंगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति ऑफिस (क्रेमलिन) ने बताया कि ट्रम्प ने मीटिंग रोककर पुतिन से फोन पर 40 मिनट बात की। इस दौरान पुतिन ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बताया कि ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन 15 दिन के भीतर जेलेंस्की से मुलाकात को राजी हो गए। मीटिंग के बाद जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि यूक्रेन सुरक्षा गारंटी के बदले यूरोप के पैसों से 90 अरब डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपए) के अमेरिकी हथियार खरीदेगा। 'ट्रम्प बोले- युद्ध थम जाएं। मैंने आज एक बार फिर यह माँग दोहराई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बैठकों के बाद यही बात कही।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ अलास्का मीटिंग के बाद ट्रम्प के यूक्रेन में तत्काल युद्ध विराम की आवश्यकता पर दिए गए बयान को पलटना यूरोपीय नेताओं के लिए एक झटका था।ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं की बैठक के दौरान मेलोनी ने मीटिंग में इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का जिक्र भी किया। उन्होंने युद्ध के मैदान में यूक्रेन को स्टारलिंक की मदद के लिए शुक्रिया कहा।अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन जेलेंस्की और पुतिन के बीच एक ऐतिहासिक मुलाकात की तैयारी कर रहा है। रुबियो ने फॉक्स न्यूज से कहा कि अगर यह मुलाकात सफल रही, तो इसके बाद ट्रम्प, पुतिन और जेलेंस्की की एक त्रिपक्षीय बैठक हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन यही हमारा टारगेट है।**आगे की खबर पेज न. 7 पर..**

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की तैयारी में विपक्ष,I.N.D.I.A. ब्लॉक की बैठक में मंथन,संसद में शीतकालीन सत्र में नोटिस पर विचार

नयी दिल्ली। वोट चोरी के आरोपों और बिहार में वोटर्स लिस्ट स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विपक्ष ने हमला तेज कर दिया है। विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. ब्लॉक सीईसी के खिलाफ अब महाभियोग लाने पर विचार कर रहा है। सोमवार को खड़गे की अध्यक्षता में उनके घर पर I.N.D.I.A. ब्लॉक की बैठक में इस पर मंथन हुआ। बैठक के बाद कांग्रेस, टीएमसी, सपा, डीएमके, राजद समेत 8 विपक्षी दलों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके बाद 20 पार्टियों के हस्ताक्षर से बयान जारी हुआ। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा- सीईसी भाजपा प्रवक्ता की तरह बोल रहे हैं। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा- संसद के मौजूदा सत्र (मानसून सत्र) में 3 दिन बाकी हैं। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। सीईसी के रवैये को देखते हुए हम अगले सत्र (शीतकालीन सत्र) में नोटिस देंगे।इधर, राहुल ने बिहार में एसआईआर के खिलाफ और वोट चोरी को लेकर 17 अगस्त से 'वोट अधिकार यात्रा' भी शुरू की है।

राहुल ने यात्रा के दूसरे दिन (18 अगस्त) को राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ गयाजी में जनसभा की। इस दौरान राहुल ने लोगों को संविधान की कॉपी दिखाई और कहा, 'ये भारत माता का संविधान है। इसमें 3 हजार साल पुरानी आवाज है। जब ये लोग वोट चोरी करते हैं तो संविधान की आत्मा पर आक्रमण करते हैं।' राहुल गांधी ने कहा- 'आयोग की चोरी पकड़ी गई, तो हलफनामा मांगते हैं। मैं आयोग से कहता हूं- थोड़ा वक्त दो, पूरा देश आपसे हलफनामा मांगेगा। हम पूरे देश में आपकी चोरी दिखाएंगे। तीनों इलेक्शन कमिश्नर सुन लें, अभी मोदी सरकार है।

चाऊमीन में जहर मिलाकर 3 बेटों को खिला दिया, जौनपुर में ससुर की डांट से नाराज मां ने उठाया ऐसा कदम

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ससुर की डांट से नाराज बहू ने सोमवार को तीन मासूम बच्चों के साथ चाऊमीन में ज़हर मिलाकर खा लिया। ज़हर ने 6 वर्षीय बेटे की जान ले ली। बाकी सभी घर में ही बेसुध हो गए। हालत बिगड़ने पर बड़े बेटे ने परिजन को बताया तो पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया। बाकियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। महिला का पति बेंगलुरू में रहकर काम करता था। खबर लगते ही वो भी घर रवाना हो गया। मामला शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सबरहद गांव का है। फिलहाल पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। सबरहद गांव निवासी मोनू की शादी 9 साल पहले जलालपुर निवासी सविता से हुई थी। दोनों को 3 बेटे सत्या (8), शिवम (6) और शिवांश 8 माह थे। रोज़ी रोटी के लिए मोनू बंगलुरू रहता है। पत्नी और बच्चे सबरहद में रहते हैं। बताया जाता है कि सोमवार को सविता किसी बात को लेकर बच्चों को डांट रही थी। इसको लेकर उसके ससुर ने नाराज़गी ज़ाहिर की और बच्चों को डांटने से मना किया। इसके

बाद दोनों में कहासुनी हुई। ससुर की डांट सविता को इतनी नागवार गुजरी कि उसने चाऊमीन में कीटनाशक मिलाकर तीनों बेटों को खिला दिया। इसके बाद खुद भी बची हुई ज़हरीली चाऊमीन खा ली।ससुर की बात से नाराज़ सविता ने बारी-बारी सभी बेटों को ज़हर मिली चाऊमीन खिला दी। खुद भी वही चाऊमीन खाई। थोड़ी ही देर बाद सभी की हालत बिगड़ने लगी। बड़े बेटे सत्या को कुछ शक हुआ तो उसने बगल में रह रहे अपने चाचा प्रेमचंद्र को बुला लिया। इसके बाद उसने मां द्वारा दी गई चाऊमीन खाने वाली बात बताई। प्रेमचंद जब मौके पर पहुंचे तो देखा सभी बेसुध जमीन पर पड़े थे। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद एम्बुलेंस से सभी को अस्पताल लेकर गए।ससुर की डांट से क्षुब्ध सविता ने जो खौफनाक कदम उठाया उसका खामियाजा उसमे मझले बेटे शिवम को भुगतना पड़ा। ज़हर मिली चाऊमीन खाने के बाद गंभीर हालत में सभी को शाहगंज के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। वहां चिकित्सक ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। बेहतर इलाज के लिए अन्य सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि ससुर की डांट से नाराज़ होकर ही सविता ने ये कदम उठाया। एएसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि बंगलुरू से पति मोनू घर आ रहा है। पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है।

भीख मांग रही किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गए, फिर किया सामूहिक दुष्कर्म

आगरा। उत्तर प्रदेश में मासूम बच्चियों के खिलाफ अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा और दिल दहला देने वाला मामला आगरा के थाना

हरिपर्वत क्षेत्र का है, जहां 15 साल की एक किशोरी के साथ दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और इस जघन्य घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार (16 अगस्त, 2025) को थाना हरिपर्वत के संजय प्लेस चौकी क्षेत्र में हुई। दो युवक, जिनकी पहचान आसिफ और जुनैद के रूप में हुई है, वो किशोरी को बहला-फुसलाकर संजय प्लेस के पास से एक बिल्डिंग में ले गए। वहां दोनों ने बारी-बारी से किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद एक आरोपी ने इस घटना का 24 सेकंड का वीडियो बनाया, जो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में एक युवक स्पष्ट दिखाई दे रहा है, और कुछ युवकों के हंसने की आवाजें भी सुनाई दे रही हैं।वीडियो वायरल होने के बाद संजय प्लेस चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है, और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। थाना हरिपर्वत प्रभारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने कहा कि पीड़िता की तलाश में पुलिस जांच कर रही है, लेकिन अभी तक उसका पता नहीं चल सका है। पीड़िता के बिना ठोस कार्रवाई में देरी हो सकती है।जानकारी के मुताबिक, पीड़िता सड़क पर खानाबदोश जीवन जीने वाली बताई जा रही है। आरोपियों ने उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। पुलिस को अभी तक पीड़िता के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिली है, और उसकी पहचान के लिए जांच जारी है।

जिलाधिकारी ने राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा की

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने धारा-34, धारा-67, धारा-116 के मामले जो कि 6 माह से अधिक समय से लम्बित है, उन्हें इसी माह निस्तारित करने के दिए निर्देश। जिलाधिकारी ने 3 एवं 5 वर्ष से लंबित वादों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के दिए निर्देश।

नैनी जेल में मुलाकात का समय बढ़ा

डीआईजी के औचक निरीक्षण में जेल गेट पर मिली नकदी, जांच के आदेश

प्रयागराज। नैनी जिला जेल में सोमवार को तीन दिन की छुट्टी के बाद मुलाकातियों की भीड़ उमड़ी। नियम के मुताबिक शाम 5 बजे तक होने वाली मुलाकात शाम 6 बजे के बाद तक चली। इस सूचना पर डीआईजी जेल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने औचक निरीक्षण किया। जहां पर गेट पर लाखों रुपए कैश मिलने का मामला भी संज्ञान में आया। हालांकि इस मामले में जेल के अधिकारियों ने कैद मिलने की बात को गलत बताया है।नैनी जिला जेल में निरीक्षण के दौरान जेल गेट पर तैनात सिपाहियों के पास नकदी मिली। सिपाहियों ने बताया कि यह राशि मुलाकातियों द्वारा कूपन के लिए जमा की गई थी। हालांकि, वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे ने नकदी मिलने की बात से इनकार किया है।सामान्य दिनों में जेल में चार शिफ्ट में मुलाकातें होती हैं। मुलाकातियों की अधिक संख्या के कारण सोमवार को शिफ्ट बढ़ाकर सात कर दी गईं। डीआईजी को मामले में संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने इसकी जांच के निर्देश दिए हैं।सोशल मीडिया पर डीआईजी के निरीक्षण में लाखों की नकदी मिलने की खबरें वायरल हो रही हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने इन खबरों को गलत बताया है।

मेडिकल झोल-आखिर प्राइवेट प्रैक्टिस कैसे कर रहे सरकारी डॉक्टर! निजी अस्पताल में एसआरएन के डॉक्टर ने किया था ऑपरेशन, मौत के बाद हुई पुष्टि

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट की सख्ती के बाद सरकार ने भी प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के तहत प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों की सूची भी बनाई गई, छापेमारी की गई, लेकिन स्थिति जस की तस है। इसका ताजा उदाहरण हैं स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल के डॉ. राजुल अभिषेक का। उन्होंने मुकेश कुमार यादव नाम के कैंसर के मरीज का ऑपरेशन पैसे लेकर शहर के प्राइवेट अस्पताल में कर दिया। इसकी पोल इसलिए भी खुल गई कि मरीज की मौत हो गई और परिजनों ने इसकी पुष्टि भी की। अस्पताल में घंटों तक हंगामा चला। मृतक की पत्नी किरन ने साफ तौर पर कहा कि तीन लाख रुपए लेकर प्राइवेट अस्पताल में डॉ. राजुल अभिषेक ने ऑपरेशन कर दिया। अब ऐसे में सवाल यह उठता है कोर्ट और सख्ती के बावजूद भी आखिर सरकारी चिकित्सक प्राइवेट प्रैक्टिस खुलेआम कैसे कर रहे?मृतक मुकेश यादव की पत्नी किरन ने कहा, 'हम लोग एसआरएन अस्पताल में ही पति का ऑपरेशन कराना चाहते थे। लेकिन डॉ. राजुल अभिषेक ने कहा, यहां पर ऑपरेशन एक महीने बाद हो पाएगा। बाहर प्राइवेट अस्पताल (मोहक अस्पताल) में ऑपरेशन कर देंगे, तीन लाख रुपए लगेंगे। इसके बाद पति को लेकर मोहक अस्पताल पहुंच गए। यहां ऑपरेशन हुआ और बाद में पति की हालत बिगड़ी और मौत हो गई। जबकि उन्हें प्राइमरी स्टेज का कैंसर था।' पत्नी किरन यादव कहती हैं मुझे न्याय चाहिए। ऑपरेशन करने वाले डॉ. राजुल अभिषेक के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। डॉ. मुकेश कुमार यादव सोरांव तहसील के लालगोपालगंज, कासिमपुर झरहा गांव के रहने वाले थे। वह पशु चिकित्सक थे। माउथ कैंसर के प्राइमरी स्टेज के मरीज थे। टाटा हास्पिटल में चेकअप कराके आए थे। शुक्रवार को 3.40 बजे मोहक में ऑपरेशन हुआ था। वहीं, इस संबंध में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने कहा, डॉ. राजुल अभिषेक स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में कांट्रेक्ट बेस पर हैं। वो प्राइवेट प्रैक्टिस कर सकते हैं। इसलिए हमारे स्तर से इस पर कुछ विशेष नहीं किया जा सकता है।

खबरे ज़रा हटके

गाना सुनाकर मच्छर कैसे मार रहे वैज्ञानिक?

नीदरलैंड्स की एक जर्नल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिक मच्छरों को मारने और भगाने के लिए 15 साल पुराना गाना बजा रहे हैं। ये गाना अमेरिकी सिंगर स्क्रिलेक्स का हैं, जिसे सुनकर मच्छर परेशान हो जाते हैं। वे फिर खून पीना और प्रजनन करना बंद कर देते हैं। इससे डेंगू और जीका जैसी बीमारियों का खतरा भी कम हो सकता है। ये रिपोर्ट 'एक्टा ट्रॉपिका' जर्नल में छपी है। इसमें एडीज एजिप्टी नाम के मच्छरों पर प्रयोग हुआ। वैज्ञानिकों ने एक पिंजरे में भूखे मच्छरों के साथ एक हैम्स्टर रखा। एक जगह शांत माहौल था। दूसरी जगह स्क्रिलेक्स का गाना बज रहा था। शांत

कमरे में मच्छर 30 सेकंड में हैम्स्टर पर हमला करने लगे। लेकिन, जिस कमरे में गाना बज रहा था, वहां मच्छरों ने बहुत देर से हमला किया। खून पीने की उनकी इच्छा भी कम हो गई। उन्होंने आपस में प्रजनन भी कम किया। वैज्ञानिकों ने बताया कि मच्छर पंखों की आवाज को मिलाकर बात करते हैं। स्क्रिलेक्स के गाने के शोर ने इस आवाज को खराब कर दिया। इससे वे मिल नहीं पाए। रिसर्चर्स को उम्मीद है कि ये इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक दुनिया में लाखों लोगों की जान बचा सकता है। यह डेंगू और जीका जैसी बीमारियों को फैलने से रोक सकता है।

ब्लाइंड लोगों को दांत से कैसे मिलेगी रोशनी?

कनाडा का एक ब्लाइंड व्यक्ति अब दांतों से देख पाएगा। ये चमत्कार एक अनोखी सर्जरी से हुआ है। दरअसल 21 साल पहले कनाडा के ब्रेंट चैपमैन की आंखों की रोशनी चली गई थी। लेकिन अब 'टूथ-इन-आई' सर्जरी से आंखों की रोशनी वापस आ गई है। इस सर्जरी में मरीज का ही एक दांत निकाला जाता है। उसमें एक प्लास्टिक का लेंस लगाया जाता है। फिर उस पूरे हिस्से को आंख के सॉकेट में सिल दिया जाता है। दांत का इस्तेमाल इसलिए होता है। क्योंकि यह इंसान के शरीर का सबसे मजबूत हिस्सा है। यह लेंस के लिए एक अच्छा बेस बनता है। मरीज के शरीर का ही हिस्सा होने से शरीर इसे रिजेक्ट भी

नहीं करता।

लेजर लाइट से पुलिस क्राइम कैसे रोक रही है?

दुनियाभर में क्राइम रोकने के लिए पुलिस नए-नए तरीके अपना रही है। दक्षिण कोरिया की सियोल पुलिस ने एक अनोखी तरकीब निकाली है। उन्होंने क्राइम रोकने के लिए असली पुलिस की जगह एक होलोग्राम पुलिसकर्मी को लगाया है।यह होलोग्राम पुलिसकर्मी 170 सेमी से भी ज्यादा लंबा है। यह हर शाम 7 से 10 बजे तक एक पार्क में दिखाई देता है। वह लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाता है। और चेतावनी देता है कि हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।यह टेक्नोलॉजी पिछले अक्टूबर में ट्रायल पर शुरू की गई थी। पुलिस के डेटा से पता चला है। पार्क में होने वाले

अपराधों में करीब 22फीसदी की कमी आई है। पुलिस चीफ ने इसे एक 'स्मार्ट सिक्योरिटी डिवाइस' बताया है। हालांकि, पुलिस ने यह भी कहा है। यह टेक्नोलॉजी अपराधियों को सीधे गिरफ्तार नहीं कर सकती। यह सिर्फ डर पैदा करती है। वहीं, लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली है। कुछ लोगों ने इसे 'पुलिस का भूत' कहा। वे मजाक में कहते हैं कि क्राइम इसलिए कम हुआ। क्योंकि लोग भूतिया पुलिसकर्मी को देखकर पार्क में जाने से डरते हैं।

लाइब्रेरी से ली किताब 82 साल बाद क्यों लौटाई?

अमेरिका की एक लाइब्रेरी में 82 साल बाद एक किताब वापस लौटी है। सैन एंटोनियो पब्लिक लाइब्रेरी को यह किताब पिछले जून में मिली। किताब के साथ एक मजेदार चिट्ठी भी थी। जिसमें लिखा था कि दादी अब इसका जुर्माना नहीं भर पाएंगी। किताब लौटाने वाले शख्स ने बताया। यह किताब उन्हें अपने पिता की मौत के बाद विरासत में मिली। उनके पिता 11 साल के थे। तब उनकी दादी मारिया डेल सोकोरो ने यह किताब ली होगी। 1943 में जब वह यूएस एम्बेसी में काम करने मेक्सिको सिटी गईं। तब किताब उनके साथ चली गई। लाइब्रेरी ने बताया कि किताब पर लेट फीस तीन सेंट प्रतिदिन थी। अगर महंगाई के हिसाब से आज इसका हिसाब लगाएं। तो जुर्माना 16,000 डॉलर (करीब 13 लाख रुपए) से ज्यादा होता। लेकिन लाइब्रेरी ने 2021 में ही

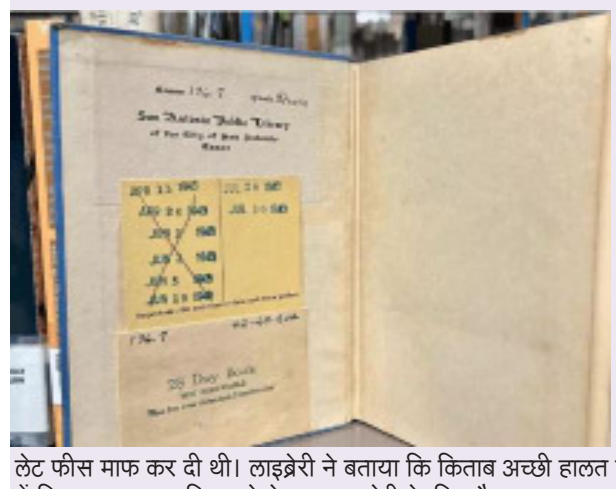

लेट फीस माफ कर दी थी। लाइब्रेरी ने बताया कि किताब अच्छी हालत में है। इसे अगस्त तक सेंट्रल लाइब्रेरी में दिखाया जाएगा। फिर इसे बेचकर लाइब्रेरी के लिए पैसा जुटाया जाएगा। वैसे, सबसे देर से लौटी किताब का असली रिकॉर्ड 288 साल का है।

अमेरिकी में 1000 फीट ऊंची सुनामी क्यों आ सकती है?

वैज्ञानिकों ने अमेरिका के प्रशांत तट के लिए चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, यहां एक बहुत बड़ी 'मेगा-सुनामी' आ सकती है। इसकी वजह एक शक्तिशाली भूकंप होगा। यह सुनामी 'कैस्केडिया सबडक्शन जोन' में आने वाले एक बड़े भूकंप से आएगी। यह फॉल्ट लाइन करीब 600 मील लंबी है। यहां दो बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकरा रही हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 50 सालों में यहां 8.0 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप आने की 15फीसदी संभावना है। वर्जीनिया टेक के रिसर्चर ने एक स्टडी में ये अनुमान लगाया है। उनके मॉडल के मुताबिक, एक बड़े भूकंप से समुद्र तट

AI-generated image for representative image

की जमीन करीब 6.5 फीट तक नीचे जा सकती है। इससे बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। सुनामी की लहरें 1000 फीट तक ऊंची हो सकती हैं। इस सुनामी से सिएटल, पोर्टलैंड और उत्तरी कैलिफोर्निया के कई शहर कुछ ही मिनटों में पानी में डूब सकते हैं

बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर में भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में संपन्न हुआ जन्माष्टमी का पर्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में जन्माष्टमी का पर्व 16 एवं 17 अगस्त 2 दिन संपन्न हुआ। 62 बच्चों के द्वारा भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों की झांकियां प्रस्तुत की गई। कई बच्चों ने विभिन्न गीतों पर अपना नृत्य भी प्रस्तुत किया। निर्णायक की भूमिका में डॉक्टर किरण श्रीवास्तव, आरती पांडे एवं सीता यादव रही । इन तीनों निर्णायक मंडल ने दोनों दिन तक बच्चों की प्रस्तुतीकरण को देखा और अंत में प्रथम पुरस्कार के लिए अद्विक पाठक, 2nd पुरस्कार के लिए आजस प्रताप सिंह, तृतीय पुरस्कार के लिए रिद्धि के नाम की अनुशंसा की ।बाबा की आरती के उपरांत चंदापुर राज परिवार के छोटे राजा हरसेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली राजेश सिंह एवं जहानाबाद चौकी इंचार्ज अखिल तोमर द्वारा संयुक्त रूप से सभी 62 बच्चों को पुरस्कृत किया । प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आए बच्चों को मेडल देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की सफलता में श्री धर्मेंद्र श्रीवास्तव, मंटू शुक्ला ,आशीष सविता, राजीव दीक्षित एवं छोटी रानी ममता सिंह का विशेष सहयोग रहा ।अंत में सभी बच्चों को ग्रुपिंग फोटो खींची गई ।इस अवसर पर हजारों भक्त मंदिर प्रांगण में उपस्थित थे ।पूरे मंदिर परिसर की भव्य लाइटिंग से सजावट की गई थी ।पंचामृत प्रसाद का वितरण किया गया

प्रयागराज की रचना त्रिवेदी बनी विश्व हिंदू महासंघ की प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) महासंघ का प्रांतीय अधिवेशन 12

रचना त्रिवेदी चीनल हेड आधुनिक समाचार

प्रयागराज। यह कार्यक्रम गोरखपुर में प्रांतीय अधिवेशन के दौरान इस नियुक्ति की घोषणा की गई। तारीख। 12 अगस्त को यह प्रांतीय अधिवेशन का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। विवरण। विश्व हिंदू अगस्त को गोरखपुर में प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के अध्यक्षता में रखा गया इसी के दौरान विश्व हिंदू महासंघ के नए पदाधिकारी की नियुक्ति की गई एवं सभी पदाधिकारी को मनोनित पत्र दिया गया।

विज्योति सोशल वेलफेयर सोसाइटी का हुआ शुभारंभ, बच्चों में बांटी गई मिठा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित

हनुमान जी के मंदिर के निकट विज्योति सोशल वेलफेयर सोसाइटी संस्था का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस खास मौके पर संस्था के सदस्यों द्वारा बच्चों में मिठाई वितरण कर खुशी जाहिर की गई। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष अंजनी कुशवाहा, उपाध्यक्ष अरुण कुशवाहा, सचिव अरुण कुमार बिंद, कोषाध्यक्ष सुधीर रंजन सहित अनूप सिंह, सूरज कुमार, धनंजय कुमार वर्मा, अशफाक अहमद, शरद उपाध्याय, देवराज उपाध्याय, आशुतोष शुक्ला, इब्राहिम अंसारी, अजय कुशवाहा, रितेश सिंह, रविकांत मिश्रा, मनीष द्विवेदी, अनिल मौर्य, प्रवीण मौर्य, मो. जैद, कमरूजमा, ज्योति बाला आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया और आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण तथा जरूरतमंदों की मदद जैसे कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही।

रिश्ते की बहन से अफेयर, ज्वेलर को 30 सेकेंड में 15 चाकू मारा,नहर में फेंका था; आरोपियों का कबूलनामा

प्रयागराज। ज्वेलर अमन सोनी की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है। रविवार दोपहर अमन पर 15 बार

चाकू से वार किया गया। सीने, गर्दन पर मुख्य आरोपी प्रेम पटेल चाकू से गोदता रहा। इसके बाद गला रेत दिया। फिर हाथ और बाल पकड़ कर अमन को नहर में फेंक दिया। जांच, पूछताछ में ये बातें सामने आई हैं कि प्रेम और अन्य साथियों ने सिर्फ 30 सेकेंड में चाकू से गोदकर नहर में फेंका। गिरफ्तार आरोपी दीवेंद्र सिंह उर्फ देवदत्त और शिवम पटेल ने पुलिस पूछताछ में कबूला तो अफेयर का मामला निकला। मुख्य आरोपी प्रेम पटेल की रिश्ते की बहन से ज्वेलर अमन का अफेयर था। युवती की शादी हो गई, लेकिन अमन पीछा नहीं छोड़ रहा था। इसी से प्रेम पटेल गुस्से में था।ज्वेलर अमन युवती को लगातार परेशान भी कर रहा था। इसी बीच रुपए के लेनदेन

का विवाद और बढ़ता गया। अब प्रेम को लगा कि अमन को रास्ते से ही हटा दिया जाए। इसी के बाद उसने हत्या का मन बना लिया। सपोर्ट के लिए अपने दोस्तों को साथ लिया, लेकिन दोस्तों को बताया नहीं कि मर्डर करना है।

अमन को बुलाकर प्रेम ने मौत के घाट उतार दिया। जांच में एक और बात साफ हुई है कि प्रेम पटेल अमन को जन्माष्टमी के दिन ही मारने के मूड में था।आरोपी शिवम पटेल और दीवेंद्र सिंह उर्फ देवदत्त को लेकर मुख्य आरोपी प्रेम पटेल 16 अगस्त जन्माष्टमी के दिन रात करीब 9.30 बजे उसके घर पहुंचा था। वह अमन को साथ ले जाना चाहता था। कहा कि चलो जन्माष्टमी का मेला देखने चलते हैं। अमन तैयार भी हो गया था, लेकिन रात ज्यादा हो गई थी। इसलिए अमन के पिता ने उसे रोक दिया। कहा कि रात में कहीं जाने की जरूरत नहीं है। पिता के मना करने पर अमन ने जाने से इनकार कर दिया तो प्रेम अपने दोस्त के साथ लौट आया। हत्याकांड में पकड़े गए दीवेंद्र उर्फ देवदत्त ने यह पूरी कहानी पुलिस को बताई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि अमन जन्माष्टमी की रात प्रेम के साथ चला जाता तो मर्डर उसी रात हो जाता। पकड़े गए शिवम और दीवेंद्र ने कई सनसनीखेज बातें बताई हैं। इससे लग रहा है कि हत्याकांड में रुपए के लेनदेन का मामला छोटा है। इससे ज्यादा खुन्नस प्रेम की रिश्तेदार युवती से अफेयर को लेकर थी। फिलहाल शिवम और दीवेंद्र को जेल भेज कर पुलिस की 3 टीमें प्रेम पटेल की तलाश में छापेमारी कर रही हैं।ज्वेलर अमन सोनी की हत्या के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी दीवेंद्र उर्फ देवदत्त पटेल को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया था। आरोपी शिवम पटेल रविवार को ही पकड़ लिया गया था। शिवम पटेल और देवदत्त से पुलिस अधिकारियों ने लंबी पूछताछ की। दोनों के बयान से साफ नहीं हो सका कि हत्या की मेन वजह क्या है। हालांकि, इस केस में गहने चोरी होने, उसी की बकाया रकम को लेकर विवाद था। शिवम और देवदत्त ने पुलिस को बताया कि प्रेम पटेल ने उनसे यही कहा था कि अमन से लेनदेन का मामला है, उसे बुलाया है। यदि वो नहीं आता तो हरखपुर उससे मिलने चलेंगे। चाकू से गोद कर हत्या करने और नहर में फेंक देने के इस मामले में अब तक यही साफ हुआ है कि मारे गए अमन सोनी और प्रेम पटेल के बीच कुछ विवाद था। एक बात यह भी सामने आई कि कुछ माह पहले अमन सोनी की दुकान से एक बैग चोरी हुआ था। इसका आरोप प्रेम पटेल पर लगा था। तब कहा गया था कि उसमें 45 हजार के गहने थे। प्रेम पटेल ने 15 हजार रुपए दे दिए थे, जबकि 30 हजार रुपए बकाए थे। यही रुपए के लिए प्रेम और अमन के बीच विवाद चल रहा था। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अमन और प्रेम के बीच विवाद की जड़ दूसरे लोगों से ही सामने आई है। असल वजह उसके पकड़े जाने के बाद ही पता चलेगी। पूछताछ और सबूतों के बाद पुलिस की जांच बदल रही है।प्रयागराज शहर से 30 किमी दूर मऊआइमा थाना के हरखपुर में रविवार को दिनदहाड़े ज्वेलर अमन सोनी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मामा और राहगीरों ने दौड़ाया तो ज्वेलर को नहर में फेंक कर बदमाश भाग गए। लोगों ने दौड़ाकर एक हमलावर को पकड़ लिया। पिटाई के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, दोपहर 3 बजे के करीब परिजन प्रयागराज-अयोध्या हाईवे पर पहुंचे। यहां ग्रामीणों के साथ जाम लगा दिया। बहादुरपुर होलागढ़ में अजय कुमार सोनी रहते हैं। उनका बेटा अमन सोनी (25) मऊआइमा थाने के कंचनपुर गांव में मकान बनवाया था। इसी मकान में रहकर वह ज्वेलर्स का काम करता था। अमन की अभी शादी नहीं हुई थी। मां-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन नेहा है। पुलिस के मुताबिक, पकड़ा गया बदमाश शिवम पटेल है। उसने बताया कि रविवार दोपहर करीब 12 बजे बालाडीह गांव के रहने वाले प्रेम पटेल ने अमन सोनी को फोन कर बुलाया। कहा कि गहनों का ऑर्डर देना है। अमन बाइक से प्रेम से मिलने पहुंचा। तभी हमने अमन पर हमला कर दिया।अमन के मामा अनिल कुमार सोनी ने बताया- मैं बालाडीह गांव से गुजर रहा था। हरखपुर शारदा सहायक नहर के पास देखा कि 3-4 लोग भांजे अमन सोनी पर चाकू से हमला कर रहे थे। मुझे देखते ही उन लोगों ने हत्या कर भांजे को नहर में फेंक दिया। हत्या करने वालों में प्रेम पटेल, शिवम पटेल और देवदत्त पटेल शामिल थे। तीनों ने मिलकर अमन की चाकू से गला रेत कर हत्या की है। मुझे देखते ही तीनों हमलावर बाइक से भागने लगे। लेकिन, शिवम पटेल बाइक पर नहीं बैठ पाया। उसे लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने शव को नहर से निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

15 दिन से तेंदुवा छका रहा वनविभाग कर्मियों को,वन विभाग ने दो शिफ्ट में लगाए 8 कर्मी,खेत न जाने की हिदायत

प्रयागराज। पिछले 15 दिनों से एक तेंदुआ वन विभाग की टीम को

चकमा दे रहा है। सुदनीपुर गांव में सोमवार देर रात एक बार फिर तेंदुए को देखा गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन तेंदुआ नहीं मिला। वन विभाग ने अब रोस्टर ड्यूटी शुरू कर दी है। आठ वनकर्मियों को दो शिफ्ट में बांटा गया है। पहली शिफ्ट सुबह से दोपहर तक और दूसरी शिफ्ट शाम से देर रात तक काम करेगी। टीम के पास ट्रैप कैमरे और सर्च लाइट हैं। इन्हें गांव के चारों तरफ लगाया गया है।तेंदुए की मौजूदगी से गांव में दहशत का माहौल है। लोग खेतों और बागानों में जाने से बच रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे अकेले खेतों में न जाएं। साथ ही बच्चों को घर से बाहर न भेजें। वन अधिकारियों के अनुसार तेंदुए की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। जल्द ही उसे सुरक्षित तरीके से पकड़ने का प्रयास किया जाएगा।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण में 187 पद रिक्त,उपाध्यक्ष बोले-अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती के लिए डिमांड भेजी गई है

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण में अधिकारी और कर्मचारियों की भारी कमी शहर

के विकास में रूकावट बन रही है। 187 पद रिक्त होने के कारण न सर्वे समय पर हो रहा है, न अवैध कब्जे हट रहे हैं और न ही मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य हो पा रहे हैं। नतीजा शहर में अनियोजित विकास तेजी से बढ़ रहा है और नई आवासीय योजनाएं कागजों में अटकी हुई हैं। शहरी नियोजन विशेषज्ञों का मानना है कि स्टाफ की इतनी कमी के कारण पीडीए का मास्टर प्लान लागू हो पाना मुश्किल है। यदि तुरंत भर्ती नहीं हुई तो शहर अगले पांच साल में अव्यवस्थित निर्माण का शिकार हो जाएगा। एक पूर्व नगर नियोजक ने कहा कि पीडीए के पास मास्टर प्लान 2031 का रोडमैप है। लेकिन उसे लागू करने के लिए जरूरी मानव संसाधन नहीं है। अगर प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए तो प्रयागराज का भविष्य अव्यवस्थित निर्माण और बुनियादी ढांचे की कमी में उलझ सकता है।अधिकारियों के 10 पद रिक्त है जिनमें संयुक्त सचिव, मुख्य अभियंता, दो उप सचिव, लेखाधिकारी, सहायक लेखाधिकारी, अधीक्षण अभियंता, दो अधिशासी अभियंता (सिविल), सहायक अभियंता (यांत्रिक), विशेष कार्याधिकारी, मुख्य नगर नियोजक शामिल हैं। अबर अभियंता व निरीक्षण से जुड़े 25 पद खाली हैं जिनमें 19 अवर अभियंता, नियोजन वास्तुविद, संपत्ति अधीक्षक, कर एवं राजस्व निरीक्षक, व्यक्तिगत सहायक, लेखाकार, कार्यालय अधीक्षक, उप निरीक्षक शामिल हैं। तकनीकी व लिपिकीय वर्ग में 68 पद रिक्त हैं जिनमें सहायक लेखाकार, हेड ड्राफ्टमैन, ड्राफ्टमैन, ब्लू प्रिंटर, ट्रेसर, ऑडिट सहायक, सात आशुलिपिक, प्रधान लिपिक, आठ प्रथम श्रेणी लिपिक, 34 द्वितीय श्रेणी लिपिक, विधि निरीक्षक, उद्यान निरीक्षक, तीन सर्वेयर शामिल हैं। वहीं चतुर्थ श्रेणी के 84 पद खाली हैं जिनमें सर्वे खलासी, सुपरवाइजर, चपरासी, क्लीनर, मेठ, फिटर, बेलदार आदि प्रमुख हैं। पीडीए उपाध्यक्ष डॉ. अमित पाल शर्मा ने कहा रिक्त पदों के संबंध में शासन को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती के लिए डिमांड भेजी गई है। जल्द तैनाती होने की उम्मीद है।

पड़ोसियों की पिटाई से आहत छात्रा ने लगाई आग,गंभीर हालत में एडमिट, नैनी पुलिस आरोपी को तलाश रही

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में 14 वर्षीय छात्रा ने पड़ोसियों की पिटाई और आए दिन विवाद से परेशान होकर खुद को आग लगा ली। परिजनों ने तुरंत आग बुझाई और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई है। पूरा मामला नैनी के एक मोहल्ले का है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित छात्रा के पिता ने नैनी थाने में आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

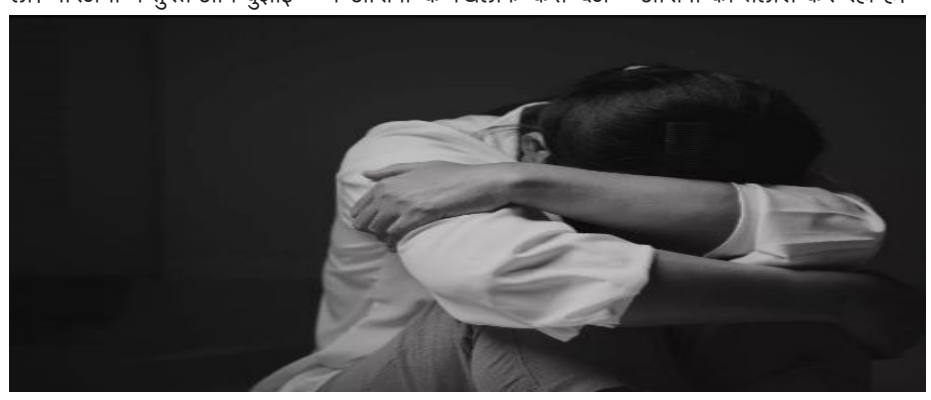

लखनऊ में ब्रिटिश उच्चायुक्त और यूपी सीएम की मुलाकात,नई शेवनिंग छात्रवृत्ति की घोषणा, 5 छात्रों को हर साल मिलेगा यूके का मौका

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नई शेवनिंग छात्रवृत्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत अगले तीन साल तक हर वर्ष उत्तर प्रदेश के 5 मेधावी छात्रों को पूरी तरह वित्त पोषित छात्रवृत्ति के साथ यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा का सुनहरा अवसर मिलेगा। लखनऊ में आयोजित इस समारोह में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने उत्साह जताते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ इस नई शेवनिंग छात्रवृत्ति समझौते पर हस्ताक्षर करना गर्व का क्षण है। यह यूनाइटेड किंगडम और उत्तर प्रदेश के बीच बढ़ते रिश्तों का प्रतीक है।' उन्होंने बताया कि यह समझौता भारत और यूके के बीच हाल ही में हुए व्यापार समझौते और 'विजन 35' का हिस्सा है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूके यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने हस्ताक्षर किए थे। नई शेवनिंग छात्रवृत्ति के तहत हर साल उत्तर प्रदेश के 5 प्रतिभाशाली छात्रों को यूके की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का मौका मिलेगा। यह छात्रवृत्ति न केवल उनकी शिक्षा का खर्च उठाएगी, बल्कि उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में भी मदद करेगी। कैमरन ने कहा, 'यह पहल भारत और यूके के बीच शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में नए अवसरों को बढ़ावा देगी।'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस समझौते को दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी। यह समझौता न केवल उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए एक नई राह खोलेगा, बल्कि भारत और यूके के बीच दीर्घकालिक सहयोग को भी और मजबूत करेगा।

एयरपोर्ट की तरह रेलवे स्टेशन पर ज्यादा सामान ले जाने पर लगेगा जुर्माना,लखनऊ-प्रयागराज मंडल से होगी शुरुआत

प्रयागराज। भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लगेज को लेकर बड़ा बदलाव किया है। अब लखनऊ और प्रयागराज समेत बड़े स्टेशनों पर एयरपोर्ट जैसी व्यवस्था लागू होगी। बैग का वजन और आकार चेक होगा। तय सीमा से ज्यादा होने पर अतिरिक्त चार्ज देना होगा। उत्तर और उत्तर मध्य रेलवे ने इसकी शुरुआत लखनऊ और प्रयागराज मंडल के प्रमुख स्टेशनों से करने का फैसला किया है। इनमें लखनऊ चारबाग, बनारस, प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, मिर्जापुर, अलीगढ़, गोविंदपुरी और इटावा जैसे स्टेशन शामिल हैं। इन जगहों पर इलेक्ट्रॉनिक लगेज मशीनें लगाई जाएंगी। प्लेटफार्म पर एंट्री से पहले बैग का वजन और साइज चेक होगा।रेलवे ने साफ किया है कि सिर्फ वजन की नहीं होगी, बल्कि बैग के आकार की भी जांच होगी। अगर बैग का साइज इतना बड़ा है कि कोच में जरूरत से ज्यादा जगह घेरता है तो पेनल्टी लग सकती है। यानी वजन सीमा के अंदर होने पर भी बड़े बैग से परेशानी बढ़ सकती है। तय सीमा से 10 किलो तक का सामान अतिरिक्त ले जाने की छूट होगी। इससे ज्यादा वजन होने पर यात्रियों को लगेज बुक कराना होगा।अगर जांच के दौरान यात्री के पास तय सीमा से ज्यादा और बिना बुकिंग का सामान मिला, तो उस पर सामान्य दर से डेढ़ गुना चार्ज लगाया जाएगा। ऐसे में बिना बुकिंग अतिरिक्त सामान ले जाना यात्रियों की जेब पर भारी पड़ सकता है।

मेरठ में फौजी से मारपीट करने वालों पर रासुका लगेगा? एफआईआर में 6 संगीन धाराएं, कितने साल के लिए जेल जाएंगे आरोपी

मेरठ। भारतीय सेना के जवान कपिल सिंह जो श्रीनगर में अपने कैंप वापस जाने के लिए सोमवार की सुबह दिल्ली से फ्लाइट पकड़ने वाले थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में गोतका गांव के रहने वाले कपिल कुछ दिन पहले ही कांवड़ मेले के दौरान छुट्टियों पर अपने घर आए थे। सोमवार को उन्हें वापस जाकर ड्यूटी ज्वॉइन करनी थी और इसीलिए रात में ही एयरपोर्ट के लिए निकल पड़े। रास्ते में मेरठ के सरूरपुर इलाके के भूनी टोल प्लाजा पर कर्मचारियों के साथ किसी बात को लेकर उनकी बहस हुई, जिसके बाद उन्हें बुरी तरह मारा-पीटा गया।रात में ही घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में टोल प्लाजा के कर्मचारी भारतीय सेना के जवान कपिल कुमार की डंडे और लात-घूंसों से पिटाई करते हुए नजर आए। इतना ही नहीं, टोल कर्मियों ने कपिल को खंभे पर सटाकर पीछे से उनके हाथ पकड़े और एक कर्मचारी डंडे से उनके पैरों पर हमला करता हुआ दिखा। वीडियो वायरल होने के बाद टोल प्लाजा पर बड़ी संख्या में मेरठ के लोग पहुंचे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए।मामले में मेरठ पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ जान से मारने सहित संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। हालांकि, मेरठ के भूनी टोल प्लाजा पर दिनभर धरना-प्रदर्शन चलता रहा और प्रदर्शनकारियों ने मांग की, कि आरोपियों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्यवाही की जाए। शाम होते-होते भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल प्लाजा संभालने वाली कंपनी का ठेका रद्द करते हुए उसके ऊपर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया।मामले पर मेरठ के एसएसपी विपिन टाडा ने बताया कि कपिल सिंह भारतीय

सेना की राजपूत रेजिमेंट में हैं। वह छुट्टियों पर घर आए हुए थे और सोमवार की सुबह फ्लाइट पकड़ने के लिए रविवार रात में घर से रवाना हो गए। टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार लगी थी, ऐसे में उन्होंने टोल प्लाजा कर्मचारियों से जल्दी निकलने देने के लिए कहा, क्योंकि उन्हें फ्लाइट पकड़नी थी। उन्होंने अपना छ- कार्ड भी दिखाया। इसी बात पर टोल कर्मियों से उनकी बहस हुई, जिसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। मेरठ पुलिस ने कपिल सिंह के साथ मारपीट करने वाले टोल प्लाजा कर्मचारियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इनमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191(2), 191(3), 190, 115(2), 352 और 109(1) शामिल है। इन धाराओं में कौन से अपराध शामिल हैं और इनके साबित होने पर दोषियों को क्या सजा हो सकती है, आपको विस्तार से बताते हैं.आपराधिक मामलों के सीनियर एडवोकेट और मेरठ बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राम कुमार शर्मा ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन के साथ बातचीत में बताया कि दर्ज एफआईआर में धारा 115(2) अधिकतम सजा वाली धारा है। जान से मारने की नीयत से किए गए हमले में यह धारा तब लगाई जाती है, जब पीड़ित को गंभीर चोट पहुंचे। इस धारा के साबित होने पर दोषी को 10 वर्ष तक की कठोर जेल और जुर्माने की सजा सुनाई जा सकती है। आरोपियों पर दर्ज की गई धारा 191(2) किसी सरकारी कर्मचारी को उसकी ड्यूटी में बाधा पहुंचाने या हमला करने से जुड़ी है। इस मामले में अपराध साबित होने पर 3 साल तक की जेल या जुर्माना या फिर दोनों एक साथ सुनाए जा सकते हैं। इसके अलावा धारा 191(3), चोट पहुंचाने के मकसद से सरकारी कर्मचारी पर गंभीर हमला करने पर दर्ज की जाती है। इस धारा में दोषी व्यक्ति को 7 साल तक के कारावास और जुर्माने का प्रावधान है।एफआईआर में धारा 190 सरकारी आदेश का उल्लंघन कर अव्यवस्था या खतरा पैदा करने के आरोप में दर्ज की गई है। इस आरोप में दोषी पाए जाने पर 6 महीने तक की सजा हो सकती है, जुर्माना लगाया जा सकता है या दोनों एक साथ भी सुनाए जा सकते हैं। कर्मचारियों पर बीएनएस की धारा 352 गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप में लगाई गई है। इस मामले में 7 साल तक के कठोर कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। अपराध के लिए उकसाने और अभियुक्तों को प्रेरित करने के आरोप में कर्मचारियों पर धारा 109(1) लगाई गई है। इस धारा में सजा मुख्य अपराध जितनी ही होती है। मतलब, अगर हत्या के मकसद से मारपीट की गई है तो सजा भी उतनी ही कठोर हो सकती है। कपिल सिंह के साथ मारपीट करने के मामले में 8 से 10 अज्ञात हमलावरों ने मिलकर और संगठित तौर पर लाठी-डंडों और रॉड से हमला किया है। हमला सेना के एक जवान पर किया गया है। मारपीट की यह घटना एक सार्वजनिक जगह यानी टोल प्लाजा पर हुई और इससे जाहिर तौर पर सार्वजनिक शांति और सुरक्षा भंग हुई है। इन आधारों पर, अगर जिला मजिस्ट्रेट को लगता है कि आरोपियों का अपराध लोक व्यवस्था पर गंभीर खतरा पैदा कर रहा है और भविष्य में भी कर सकता है तो राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत प्रिवेंटिव डिटेंशन (1 वर्ष तक की नजरबंदी) की कार्रवाई की जा सकती है।

शिव शक्ति अपार्टमेंट की समस्या छपने पर प्राधिकरण के अधिकारी सेक्टर में पहुंचे।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 71 शिव शक्ति

अपार्टमेंट की मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान निवासियों ने हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल को इसकी खबर दी तो इन्होंने अखबार में यहां की समस्या प्रमुखता से प्रकाशित किया । तब जाकर अधिकारियों के कान खड़े हुए। महासचिव संजय शुक्ला ने बताया कि आज नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को आना हुआ। और अपने सेक्टर में भ्रमण कराया एवं सभी समस्याओं से अवगत कराया जो की इन सभी विभाग के अधिकारी गण मौजूद रहे। सिविल डिपार्टमेंट हेल्थ डिपार्मेंट हॉर्टिकल्चर डिपार्मेंट स्टेट लाइट से संबंधित एवं जल और सीवर डिपार्टमेंट के सभी अधिकारी गण एवं कर्मचारी मौजूद रहे अधिकारियों ने आर डब्ल्यू ए महासचिव संजय शुक्ला को आश्वासन दिया है कि बहुत ही जल्द आपके सेक्टर की सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। आर डब्ल्यू ए महासचिव संजय शुक्ला ने बताया की सबसे बड़ी समस्या थी पार्कों में टाइल लगवाने की हमारी मेहनत बहुत जल्द रंग लाने वाली है यह हमारे सेक्टर के निवासीगण के आशीर्वाद का परिणाम ह ।

सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना योजना में आवेदन की तिथि बढ़ी,योजना के लाभ के लिए करें आवेदन

रायबरेली। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण इरफानुल्लाह खान ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना योजना के अंतर्गत जनसामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in 24 जुलाई से 14 अगस्त तक खोला गया था। पुनः आवेदन करने हेतु तिथि बढ़ा कर 31 अगस्त 2025 तक कर दी गयी है।उन्होंने बताया कि इस योजनान्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण को विभागीय वेबसाइट http://fisheries.up.gov.in पर देखा जा सकता है। इस योजनाओं में यदि भविष्य में कोई संशोधन होता है तो संशोधित प्रविधान लागू होंगे। योजना में पूर्व के वर्षों में निरस्त/प्रतीक्षारत आवेदन वाले आवेदक पुनः आवेदन कर सकते हैं।योजना के सम्बन्ध में मत्स्य विभाग के जनपदीय, मण्डलीय व मत्स्य निदेशालय के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

विनायक ग्रुप कार्यालय पर सीटू के बैनर तले कर्मचारियों ने किया धरना- प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री विनायक ग्रुप बिल्डर के

सह संस्थान मैसर्स- विनायक एक्सपो प्लाजा लिमिटेड के द्वारा विनायक एक्सपो प्लाजा के नाम पर प्लॉट नंबर- 3 व 4 नॉलेज पार्क-2 ग्रेटर नोएडा में मैसर्स- साई कंस्ट्रक्शन के माध्यम से प्रवासी मजदूरों से दिनांक 01- 02- 2022 से 31- 12- 2023 की अवधि की कमाई हुई शेष धनराशि रुपया-1,30,17,000 का भुगतान किए जाने की मांग को लेकर 18 अगस्त 2025 को सीटू के बैनर तले श्री विनायक ग्रुप बिल्डर कार्यालय-विनायक प्लाजा एएम-1 अंसल गोल्फ लिंक- 1 द्वितीय मंजिल पी-2 ग्रेटर नोएडा एवं श्री विनायक एक्सो प्लाजा नॉलेज पार्क- 2, ग्रेटर नोएडा गौतम बुध नगर पर कर्मचारियों ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी यूनियन ने अपर/ सहायक श्रमायुक्त को लिखित में शिकायत किया था जिसका संज्ञान लेकर श्रम विभाग में संराधन वार्ता बुलाई गई लेकिन प्रबंधकों के अड़ियल रवैए के कारण मजदूरों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसीलिए विवश होकर हमें आंदोलन करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रतिष्ठान के सेवायोजकों द्वारा उनके उपरोक्त संविदाकार के माध्यम से प्रवासी मजदूरों की कमाई हुई शेष धनराशि का भुगतान जब तक नहीं होगा हमारा आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि मजदूरों की लड़ाई में किसान सभा उनके साथ है और उन्हें न्याय दिलाने का काम किया जाएगा। प्रदर्शन को सीटू जिला सचिव रामस्वारथ, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार राघव, जिला कमेटी सदस्य सुखलाल, किसान सभा के नेता नितिन चौहान, सीशांत भाटी, सुरेंद्र पाल सिंह आदि ने संबोधित किया। प्रदर्शन पुलिस अधिकारियों के द्वारा हस्तक्षेप किए जाने और शुक्रवार 22 अगस्त 2025 को प्रातः 11:00 बजे दोनों पक्षों में बातचीत कराकर समस्या का समाधान कराए जाने के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। यूनियन के नेताओं ने विनायक ग्रुप के प्रबंधकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बातचीत में समस्या का समाधान नहीं निकाला तो वे विनायक ग्रुप के कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विनायक ग्रुप के प्रबंधकों की होगी।

कथक नृत्यांगना अनु सिन्हा की अगुवाई में मेघ मल्हार का हुआ आयोजन,40 कलाकारों की प्रस्तुति देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-107 में फाउंडेशन फार कृष्णा कला व एजुकेशन सोसाइटी द्वारा वर्षा ऋतु और प्रकृति आधारित संगीत-नृत्य कर कलाकारों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मेघ मल्हार महोत्सव नृत्य और संगीत में प्रवृत्ति की आराधना की थीम पर आयोजित किया गया जिसका निर्देशन एवं कोरियोग्राफी मशहूर कथक नृत्यांगना डॉ. अनु सिन्हा ने किया। इसमें 40 कलाकारों ने भाग लिया और सुंदर प्रस्तुति दी ।

इसमें राग मेघ व मियाँ मल्हार पर आधारित शास्त्रीय संगीत प्रस्तुति और भरतनाट्यम, ओडिसी व कथक शैली में नृत्यमय वर्षा की अभिव्यक्ति एवं वृक्षों, पत्तियों और वनों की सजीव छवि ओडिसी और समकालीन नृत्य के माध्यम से प्रकृति के महत्व का चित्रण किया गया। कार्यक्रम में एनटीपीसी एवं इंडियन आयल का सहयोग रहा । कार्यक्रम बहुत ही सुंदर ढंग से आयोजित किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में रुक्मिणी विवाह और कंस वध का किया वर्णन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित प्राचीन शिव शक्ति धाम मंदिर पॉकेट 12

में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास आचार्य अमित दीक्षित ने उद्धव चरित्र, कंस वध एवं रुक्मणि विवाह का रोचक वर्णन किया। भगवान कृष्ण और बलराम कंस के दरबार में प्रवेश करते हैं जहां मदमस्त हाथी को उनके ऊपर छोड़ दिया जाता है , भगवान उसका एक प्रहार से वध कर देते हैं। कंस द्वारा तमाम योद्धाओं को कृष्ण और बलराम को मारने के लिए भेज जाता है। कृष्ण और बलराम सभी को मारकर अपने परमधाम को पहुंचा देते हैं। भगवान कृष्ण अभिमानी कंस के बाल पकड़ कर सिंघासन के नीचे गिरा देते हैं और उसके पापों की याद दिलाते हैं। कृष्ण अपने प्रहार से कंस का अंत कर देते हैं और अपने परमधाम को पहुंचा देते हैं। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, शुकदेव विदाई आदि प्रसंगों के साथ कथा का विश्राम होगा। इस अवसर में सी के शर्मा, विकास तिवारी, पवन मिश्रा, मनोज तिवारी, अरविंद भारद्वाज, अंकित शर्मा, कृपाल यादव, राजेश महालय, खेमचंद, राजीव श्रीवास्तव, उमेद सिंह, गंभीर सिंह, विनय, उपाध्याय जी, अशोक गोल, एस पी शर्मा, एस के राठी, राज, सुनील तिवारी, संतोष सिंह, योगिता तिवारी, रचना दीक्षित, अनिल, नीरज, सहित तमाम पॉकेट12 वासी भगवत्प्रेमी भक्त मौजूद रहे।

भावनात्मक सहयोग की मिसाल बने ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल के नन्हे कदम, स्कूल के बच्चों ने 'आपकी उतरन, किसी की जरूरत' पहल के तहत कपड़े, किताबें और खिलौने दान किए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। कभी-कभी छोटी उम्र के नन्हे हाथ जब नेकी के लिए उठते हैं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव की एक

बड़ी लहर जन्म लेती है। इसी भावना को साकार करते हुए आज ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने 'नेकी का डब्बा फाउंडेशन' की पहल 'आपकी उतरन, किसी की जरूरत' के अंतर्गत समाज के जरूरतमंद बच्चों के भविष्य को संवारने हेतु एक प्रेरणादायी कदम बढ़ाया। स्कूल के बच्चों ने अपने घरों से प्रेम और संवेदनाओं से भरी थैलियों में पेन, कॉपियाँ, किताबें, कपड़े, खिलौने और अन्य आवश्यक सामग्री लेकर आए। उनके मासूम चेहरों पर उत्साह, करुणा और सहयोग की भावना स्पष्ट दिखाई दे रही थी। संस्था के फाउंडर गिरीश चंद्र शुक्ला ने बताया 'इन नन्हे बच्चों का यह योगदान केवल सामग्री दान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह करुणा, सहयोग और संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है।' स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती रमिता भट्ट ने कहा बच्चों ने कई दिनों से अपने घरों में सामान एकत्रित करना शुरू कर दिया था।

इनमें से कई बच्चों ने अपनी प्रिय वस्तुएँ भी स्वेच्छा से दान कीं, ताकि वे बच्चे जो संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, उनके जीवन में भी शिक्षा और खुशियों की रोशनी पहुँच सके।' कोर काउंसिल सदस्य कमल किशोर जी ने भावनात्मक स्वर में कहा कि नेकी का डब्बा फाउंडेशन ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल के समस्त परिवार का इस निःस्वार्थ प्रेम और सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता है। जब समाज की जड़ें बचपन से ही नेकी में भीगने लगती हैं, तो निश्चित रूप से एक सुंदर, सामावेशी और संवेदनशील भविष्य का निर्माण होता है।

साइकिल यात्रा में जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को किया गया हाउस अरेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय पर पुलिस बल के द्वारा हाउस अरेस्ट कर लिया

संगठन, महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में बिहार में हो रहे विशेष समरी रिवीजन और 2024 लोकसभा चुनाव में वोट चोरी के मुद्दे को लेकर सम्राट मिहिर भोज पार्क ग्रेटर नोएडा से दिल्ली तक लोकतंत्र बचाओ साइकिल यात्रा निकाला जाना था। उससे पहले ही नोएडा महानगर संगठन के नेताओं को सेक्टर 53 स्थित नोएडा महानगर गया। उपस्थित मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव ,बबलू चौहान, रामवीर यादव , महकार तंवर,तेज प्रकाश, बिल्लू सैफी, लोकेश यादव ,सतबीर यादव, अनुराग यादव, सोनू, राम सहेली, विश्वास ,विक्की यादव ,कृपा शंकर, बबली शर्मा ,राणा मुखर्जी ,कुलदीप भाटी ,हरपाल सिंह , सिकंदर पासवान मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। लगातार हो रही वर्षा और हथनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी की वजह से ज़ेवर के खादर क्षेत्र में कई हज़ार बीघा फ़सल जलमग्न हो गई है तथा बाढ़ आने की संभावना बनी हुई है जिसको देखते हुए आज दिनांक 19 अगस्त 2025 को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जेवर के बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मौके पर जाकर प्रशासनिक अधिकारियों और वहां उपस्थित क्षेत्र के लोगों से जानकारी ली। इस मौके कर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'शाम तक और अधिक पानी बढ़ने की संभावना है। इसलिए सचेत रहने की आवश्यकता है। प्रशासन मुस्तैद है और मैं स्वयं भी लगातार स्थिति पर नज़र बनाए हुए हूं।' इस अवसर पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ने बाढ़ प्रभावित ग्रामों के किसानों से मिलकर उनका हाल जाना। प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम झुप्पा ,कानी गढ़ी गोविंदगढ़ सम सम नगर पूर्ण नगर और कर्रोलआदि ग्रामों का दौरा किया गया

ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्य प्रारम्भ, ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक निर्वाचक नामावली में अपना नाम कराए सम्मिलित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) सिद्धार्थ ने जनपद रायबरेली के सभी अर्ह ग्रामीण क्षेत्र भारतीय नागरिकों को सूचित किया जाता है कि 'ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य 19 अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो रहा है जिसके अन्तर्गत घर-घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानों/ वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जाँच और परिवर्धन का कार्य प्रारम्भ होगा। उन्होंने कहा है कि इस कार्य की अवधि में ही अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराना सुनिश्चित कर लें। ऐसे भारतीय नागरिक जो किसी ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत सामान्य रुप से निवास कर रहें हैं, 01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर लिए हों, अपने निवास स्थान से सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने के लिए अर्ह होंगे बशर्ते वह अन्यथा अनर्ह न हो। अनर्हताएं हैं कि भारत का नागरिक न हो, या विकृत चित्त हो और उसके ऐसा होने की किसी सक्षम न्यायालय की घोषणा विद्यमान हो, या निर्वाचन सम्बन्धी भ्रष्ट आचरण और अन्य अपराधों से सम्बन्धित किसी विधि के उपबन्धों के अधीन मत देने के लिए तद्समय अनर्ह हो। उन्होंने कहा है कि त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली लोकतन्त्र का आधार है और इसका सही बनना प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। अपना और अपने परिवार के सभी अर्ह सदस्यों के नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज है अथवा नहीं, की जाँच कर लें। यदि दर्ज नहीं है तो अवश्य दर्ज कराएं और इस हेतु घर पर पहुँचने वाले बी0एल0ओ0 को वाँछित सूचना दिए बिना कदापि वापस न करें। यदि आप के अथवा आप के परिवार के किसी नाम व प्रविष्टि में कोई संशोधन होना है या किसी नाम व प्रविष्टि को विलोपित किया जाना है तो उसे घर पर पहुँचने वाले बी0एल0ओ0 को अवश्य अवगत करा दें। यदि सम्बन्धित बी0एल0ओ0 अपने आवंटित मतदान केन्द्र पर घर-घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली के परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नागों तथा नए मकानों/ वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जाँच और परिवर्धन का कार्य प्रारम्भ किये जाने की तिथि से 07 दिनों तक न पहुँचे या कोई शिकायत हो तो आप तत्काल जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), रायबरेली, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, रायबरेली, अपने क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी से टेलीफोन एर अथवा व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें।

प्रोवीजनली चयनित हज यात्री समय से धनराशि व प्रपत्र करे जमाः महिमा

रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा ने हज-2026 पर जाने वाले समस्त हज यात्रियों को सूचित किया जाता है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हज सत्र 2026 की घोषणा के बाद ऑनलाइन हज आवेदन हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट ttps://hajcommittee.gov.in ke https://hajcommittee.up.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है जिसमें प्रत्येक कवर को आवंटित बैंक रेफरेंस नम्बर उनके कवर के आगे अंकित है।उन्होंने बताया है कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई ने हज 2026 के सभी प्रोवीजनली चयनित हज यात्रियों हेतु निर्देश जारी किये है कि प्रत्येक प्रोवीजनली चयनित हज यात्री को अग्रिम धनराशि 1,52,300 रूपये 20 अगस्त, 2025 तक पूर्व हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई के खाते में जमा करना होगा।

धड़ल्ले से चल रहे फर्जी नंबर प्लेट पर राखड़ हाइवाःमुकदमा दर्ज, एक ही नंबर के दो हाइवा चलने से मचा हड़कंप, खलासी को गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ नंबर की हाइवा यूपी का फर्जी नंबर प्लेट लगाकर पहुंचा था राखड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/शक्तिनगर। फर्जी नंबर प्लेट लगाकर राखड़ परिवहन कर रहे हाइवा वाहन को कब्जे में लेकर शक्तिनगर पुलिस ने खलासी को गिरफ्तार कर जेल रवाना कर दिया है। बीना चौकी प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को मारकुंडी सोनभद्र निवासी हाइवा चालक कन्हैयालाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक हाइवा वाहन के नंबर प्लेट पर फर्जी नंबर लगा हुआ है। हरकत में आई पुलिस ने खड़िया मिसिरा कांटा के समीप पहुंचकर फर्जी नंबर लगाए गए हाइवा को कब्जे में लेकर मध्यप्रदेश निवासी खलासी(परिचालक) अजीत को गिरफ्तार कर जेल रवाना कर दिया।बताया की छत्तीसगढ़ नंबर की गाड़ी शक्तिनगर क्षेत्र के खड़िया मिसिरा में राखड़ लेने पहुंचा था।जो यूपी का नंबर लगाया हुआ था। ज़ब हाइवा चालक कन्हैया लाल की नजर दूसरे हाइवा पर पड़ी तो एक ही नंबर के दो हाईवे चलने से आश्चर्य चकित हों गया। तत्काल चालक ने अपने मालिक को सूचित किया मालिक ने पुलिस को सूचित कर मामले की जानकारी दी। फिलहाल पुलिस खलासी को गिरफ्तार कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर सुरक्षा कर्मियों ने कार्य किए ठप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र,बिना।

एनसीएल बीना खदान में सुरक्षा के कार्य में लगे दर्जनों सुरक्षा कर्मियों ने वेतन भुगतान को लेकर कार्य ठप कर जमकर आक्रोश जताया। बीना महाप्रबंधक कार्यालय पर इकट्ठा होकर सुरक्षा कर्मियों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर अड़े रहे। सुरक्षा कर्मियों का आरोप था कि बीते जून माह से प्रबंधन द्वारा वेतन नहीं दिया गया।जिससे घर परिवार चलाने के साथ पर्व त्यौहार फीका पड़ रहा है। दूर दराज से आए गार्ड की नौकरी करने आए लोगों को समस्या उत्पन्न हो रही है।वेतन भुगतान न होने से अन्य समस्याओं के साथ लोगों को जूझना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक दो सुरक्षा एजेंसियों के लगभग 80 सुरक्षा कर्मियों से ज्यादा लोग मौजूद थे। इससे पूर्व भी सुरक्षा कर्मियों के वेतन भुगतान को लेकर हंगामा हो चुका है।सुरक्षा प्रभारी भारतेंदु तिवारी ने आक्रोशित सुरक्षा कर्मियों को समझा बुझाकर शांत किया।तब जाकर मामला शांत हुआ।

भाजपाइयों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मनाई पुण्यतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र नगर मंडल द्वारा भारत के

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि नगर स्थित चाचा नेहरू पार्क में नगर अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुष्प अर्पित कर मनाई गई मुख्य अतीत के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा अशोक मिश्रा एवं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत उपस्थित रहे नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया 'जय हिन्द' का नारा। 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा' का नारा भी उनका था जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया।भारतवासी उन्हें नेता जी के नाम से सम्बोधित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि सुभाषचंद्र बोस राजनीति के अद्भुत खिलाड़ी थे नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक ऐसे व्यक्तित्व के धनी थे जिनके आदर्शों को जो मान लेगा उसका जीवन सफल हो जाएगा। वे जो चाहते थे वह करते थे। सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि भारत के इतिहास में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के समान कोई व्यक्तित्व दूसरा नहीं हुआ, जो एक महान सेनापति, वीर सैनिक, राजनीति के अद्भुत खिलाड़ी और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नेताओं के समकक्ष बैठकर कूटनीति तथा चर्चा करने वाला हो। इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य रमेश जायसवाल युवा मोर्चा के जिला महामंत्री रजनीश रघुवंशी पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश केसरी नगर मंडल के महामंत्री पीयूष कुमार त्रिपाठी रितु अग्रहरि नगर उपाध्यक्ष धीरेंद्र पांडे धर्मवीर त्यागी अभिषेक गुप्ता आनंद जायसवाल राकेश सोनी सरोज केसरी मंडल मंत्री अजय श्रीवास्तव राजकुमार चौरसिया संतोष भारती आलोक रावत रीता गुप्ता अनुपम चौबे दुर्गेश केडिया अविनाश शुक्ला राहुल शर्मा श्याम उमर अनुराग सिंह बंटी नीरज विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

थाना दुद्धी की साइबर टीम द्वारा आवेदक के द्वारा गलती से किसी अन्य व्यक्ति के खाते में भेजे गये धनराशि कुल 95000/- रुपये उसके मूल खाते मे कराया गया वापस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदक संदीप कुमार पुत्र जयप्रकाश सिंह निवासी ग्राम दुम्हान थाना दुद्धी

जनपद सोनभद्र के द्वारा यूपीआई से भेजते समय गलती से किसी अन्य व्यक्ति को 95000/- रुपये भेज देने के सम्बन्ध में आवेदक द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल cybercrime.gov.in के माध्यम से आनलाईन शिकायत दर्ज कराया गया था । साइबर अपराध एंव अपराधियों के नियन्त्रण हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के दिशा-निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक दुद्धी के कुशल नेतृत्व में थाना दुद्धी की साइबर टीम द्वारा NCRP पोर्टल का अवलोकन करके आवेदक के गलती से गये धनराशि के खाते को होल्ड कराया गया तथा NCRP पोर्टल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करके संबन्धित बैंक शाखा को जरिये ईमेल पत्राचार करके आवेदक के कुल धनराशि 95000/- रुपये उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया । आवेदक द्वारा थाना दुद्धी की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। धनराशि वापस कराने वाली टीमः- 01. प्र0नि0 मनोज कुमार सिंह थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 02. नि0 अपराध राजेश सरोज थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 3. का0 मन्तोष कुमार थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 04. म0का0 संध्या यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। नोटः - साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल या नजदीकी थाने पर रिपोर्ट या cybercrime.gov.in पर लॉगिन कर तुरन्त शिकायत दर्ज करायें।

थाना चोपन पुलिस द्वारा अवैध खनन का परिवहन करने वाले 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा द्वारा अवैध खनन एंव अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में खनन विभाग व थाना चोपन पुलिस द्वारा दिनांक 18.08.2025, समय 22.40 बजे रात्रि मे संयुक्त चेकिंग के दौरान एक नफर अभियुक्त रामचन्दर पुत्र स्व0 भानु यादव निवासी लोहाण्डी थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से डोलो स्टोन लोड एक अदद ट्रक व जामातलाशी से एक अदद एन्ड्रोयड मोबाइल व रू0 7200 रू नगद बरामद किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध मे थाना चोपन पर मु0अ0सं0 283/25 धारा 303(2), 317(2), बीएनएस व 3/58/72 उ0प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली 2021 व 4/21 खान खनिज (विकाश एवं विनियमन) अधिनियम 1957 एवं 03 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधि0 पंजीकृत कर अग्रेतर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः- रामचन्दर पुत्र स्व0 भानु यादव निवासी लोहाण्डी थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष। बरमादगी का विवरणः- 01. डोलो स्टोन लोड एक अदद ट्रक। 02. जामातलाशी का एक अदद एन्ड्रोयड मोबाइल व 7200/- रू नगद बरामद। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 01. प्र0नि0 विजय कुमार चौरसिया, थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 02. खनन विभाग मय टीम। 03. का0 सुनील यादव, थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 04. का0 सच्चिदानन्द मिश्रा, थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

दिव्यांगजन बच्चों को चिन्हीकरण करते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से किया जाये लाभान्वित-मुख्य विकास अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में

आज विकास भवन में माननीय अध्यक्ष, मा0 उच्च न्यायलय किशोर न्याय समिति द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में बैठक की गयी, इस दौरान दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विद्या देवी ने बताया गया कि दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एंव उनके समग्र पुनर्वासन के सम्बन्ध में 29 मई से 21 जून, 2025 तक कुल 10 स्थानो पर जनपद स्तर पर दिव्यांग बच्चो का चिन्हांकन शिविर आयोजित किया गया। आयोजित शिविरो में कुल 242 बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिसके सापेक्ष में कुल 40 दिव्यांगजनो का दिव्यांग प्रमाण-पत्र निर्गत किया गया, उक्त शिविरो में विद्यालयो में पंजीकरण हेतु कुल 188 दिव्यांग बच्चो का चिन्हांकन किया गया, जिसमें बचपन डे केयर सेन्टर के अन्तर्गत 39, बेसिक शिक्षा विभाग में 75, जिला विद्यालय निरीक्षक के अन्तर्गत कुल 72 दिव्यांग बच्चो का पंजीकरण कराया गया। प्रश्नगत शिविरों में 108 दिव्यांग बच्चो के सापेक्ष कुल 38 व्हील चेयर, 04 वैसाखी, 51 कान की मशीन, 18 एम0आर0कीट, 10 अन्य उपकरण हेतु बच्चो का चिन्हांकन किया गया, आयोजित शिविरो में चिन्हित दिव्यांग बच्चो के निरन्तर समीक्षा करते हुए अन्य योजनाओं से लाभान्वित कराया जा रहा है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ऑगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलो, इण्टर कालेजो से नवीन बच्चो को चिन्हित कर लाभान्वित करने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से भी उक्त बच्चों के चिन्हीकरण में सहयोग लिया जाये, उपकरण हेतु चिन्हित बच्चो को शत-प्रतिशत लाभान्वित कराने व जिन बच्चो का प्रमाण-पत्र अब तक नहीं बना है, उक्त मामले में समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त सी0डी0पी0ओ0 के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को चिन्हित करते हुए प्रमाण-पत्र निर्गत कराया जाय। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन बच्चो का अभी तक विद्यालयो में पंजीकरण नही हुआ है, को विकास खण्ड स्तर पर सत्यापन करते हुए चिन्हित किया जाये और उनका विद्यालयों में पंजीकरण सुनिश्चित किया जायें। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मुकुल आनन्द पाण्डेय, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के बढ़ते कदम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसी भी देश के विकास एवं समृद्धि के लिए उद्योगो का होना जरूरी होता है। देश के विकास में

औद्योगीकरण का विशेष योगदान होता है। केन्द्र सरकार के मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने औद्योगीकरण के विकास पर बल देते हुए देश में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और उद्योगो की स्थापना के लिए उद्यमियों को कई रियायते दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल निर्देशन में प्रदेश में उद्योगो की स्थापना के लिए उद्यमियों को समस्त आवश्यक सुविधाये दी जा रही है। उत्तर प्रदेश में निवेश आकर्षण, औद्योगिक एवं अवस्थापना विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा उत्तर प्रदेश भारत में सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। देश में सबसे तेजी से बढ़ती हुई राज्य अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा अवस्थापना सुविधाओं का त्वरित विकास किया गया है, निवेशोन्मुख नीतियां घोषित की गई है तथा कारोबारी माहौल में अभूतपूर्व सुधार किया गया है. जिससे प्रदेश की छवि आर्थिक रूप से पिछडे राज्य से परिवर्तित होकर एक प्रगतिशील राज्य के रूप में स्थापित हुई है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था तथा विद्युत आपूर्ति में अभूतपूर्व सुधार, सक्रिय नीतिगत निरूपण एवं इन्वेस्ट यूपी में निवेश सारथी, निवेश मित्र तथा ऑनलाइन प्रोत्साहन-लाभ प्रबंधन प्रणाली (ओआईएमएस) जैसी डिजिटल सुविधाओं से निवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है. जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है तथा राज्य में व्यापार करने के लिए अनुकूल वातावरण सृजित हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को एक मुख्य निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने के अपने मिशन को कार्यान्वित करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह भी उल्लेखनीय है कि सुचारू नीति कार्यान्वयन, व्यापार को आसान

बनाने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा निवेश आकर्षित करने के लिए सतत् विकास के कार्य के प्रति कटिबद्धता से प्रदेश के समस्त अंचलों में संतुलित निवेश का समग्र प्रवाह एवं नागरिकों के जीवन उन्नयन के लिए दीर्घकालिक मूल्यों एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। विश्व-स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य में विकसित हो रही वायु, जल, सड़क एवं रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी से राज्य के उ द्योगों एवं मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को अपना माल भारत एवं विदेशों के बाजारों में भेजने के लिए परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच निर्बाध रूप से स्विच करने की सुविधा प्रदान की जा रही है। भारत के जलमार्ग परिवहन के बुनियादी ढांचे के एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर के रूप में उत्तर प्रदेश देश की प्रथम अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजना का उद्घाटन करने वाला अग्रणी राज्य बन गया है, जो ऐतिहासिक गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली से संबंधित है। राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के रूप में नामित यह परियोजना प्रयागराज से हल्दिया तक विस्तारित है तथा इसमें उत्तर भारत के लिए एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स सुविधा के रूप में उभरने की क्षमता है, जो कोलकाता बंदरगाह तक माल के परिवहन हेतु एक सुलभ मार्ग प्रदान करता है। यह अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन की अपार क्षमता का दोहन करने, कनेक्टिविटी को सुदृढ करने तथा संपूर्ण क्षेत्र में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी परियोजना है। राज्य में 26 प्रतिशत महत्वपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र को आच्छादित करते हुए, राष्ट्रीय जलमार्ग-1 प्रमुख निर्यात केंद्रों को वाराणसी और प्रयागराज होते हुए हल्दिया बंदरगाह से जोडता है। वाराणसी में भारत के प्रथम मल्टी-मोडल टर्मिनल के उद्घाटन से कनेक्टिविटी एवं व्यापार दक्षता में और वृद्धि होगी। राज्य में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के अन्य टर्मिनलों में वाराणसी में अस्सी घाट तथा राजघाट सम्मिलित है, जो अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन को सुविधाजनक बनाने में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हैं। उत्तर प्रदेश में कुल 425 किलोमीटर के साथ अंतर्देशीय जलमार्ग अवस्थापना सुविधा से लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में क्रांतिकारी

परिवर्तन तथा इस क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति मिलेगी। क्षेत्रीय परिवहन तथा राज्य के प्रत्येक क्षेत्र तक सुगम आवागमन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में हो रहे अनेक अत्यधिक आधुनिक एक्सप्रेसवेज़ के निर्माण व विकास से राज्य की सड़क परिवहन व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहे हैं। यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे एवं ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के संचालन से यातायात के समय में भारी कमी आई है, साथ ही जिन क्षेत्रों से यह एक्सप्रेसवेज गुजरते हैं वहां पर व्यापार के अवसरों में वृद्धि हुई है। आगामी गंगा एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक एक्सप्रेसवे एवं चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे इत्यादि के प्रारंभ होने पर राज्य में यातायात और सुगम होगा तथा राज्य के प्रमुख निर्यात केंद्रों तक आवागमन व उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त, ये एक्सप्रेसवेज़ लखनऊ एवं आगरा जैसे प्रमुख महानगरों से दिल्ली तक यात्रा में लगने वाले समय में कमी लाते हुए यातायात को सुचारू करने एवं क्षेत्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। इन सभी एक्सप्रेसवेज के लिए बिना किसी विवाद के भूमि उपलब्ध कराने वाला राज्य के भीतर एवं देश के अन्य नगरों महानगरों तक निर्बाध हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध है। प्रयागराज, कानपुर, आगरा, बरेली, हिंडन, अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, मुरादाबाद, श्रावस्ती और गोरखपुर समेत विभिन्न शहरों में स्थित कुल 15 घरेलू हवाई अड्डों के साथ प्रदेशवासियों, देशवासियों तथा पर्यटकों व आगंतुकों के लिए हवाई यात्रा अब बेहद सुलभ हो गई है। ये हवाई अड्डे उत्तर प्रदेश को देशभर के प्रमुख नगरों एवं महानगरों से जोड़ते हैं, जिससे राज्य के आर्थिक विकास एवं पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। घरेलू उड़ानों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार अब अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक उड़ाने संचालित करने की दिशा में कार्य कर रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कुल चार अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं. जो विश्व के प्रमुख गंतव्यों तक पहुंच प्रदान करते हैं। लखनऊ, अयोध्या, कुशीनगर तथा वाराणसी जैसे प्रमुख नगरी में स्थित ये हवाई अड्डे विदेशी यात्रियों को वायुमार्ग से यात्रा के बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। साथ ही व्यापार, पर्यटन एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। गौतम बुद्ध नगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अब निर्माण के अंतिम चरण में है। इसके संचालन से उत्तर प्रदेश देश में 05 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों का संचालन करने वाला पहला राज्य बन जायेगा।

खाद की किल्लत के लिए सरकार की नीतियां जिम्मेदार,सपा कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र। जिले में खाद की किल्लत पर सपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। हल लेकर पहुंचे किसानों ने खेती के मुख्य सीजन में खाद की कमी के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर नारेबाजी की। ज्ञापन सौंप शीघ्र पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मांग की।सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों से किसान खाद के लिए दर-दर भटक रहा है, जबकि सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्री किसानों की समस्या से पूरी तरह अंजान बने हुए हैं।सपा के जिला सचिव प्रमोद यादव ने कहा कि भाजपा सरकार खुद खाद की चोरी करवा रही है। सरकारी हिस्से की आधी खाद तो खुद ले ली जाती है और प्राइवेट दुकानों पर खाद पहुंच ही

नहीं पा रही है। सहकारी समितियों की दुकानें भी समय से नहीं खुलतीं, जिससे किसान घंटों लाइन में लगने को मजबूर हैं। बचोले पटेल ने कहा कि यूरिया के लिए किसान लगातार भटक रहा है। नगर अध्यक्ष सरदार पार ब्रह्म सिंह ने आरोप लगाया कि किसानों को खाद, बिजली और पानी के लिए परेशान किया जा रहा है।

सत्ता पक्ष के नेता केवल खनन में व्यस्त हैं। पूर्व नगर सचिव मनीष त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने में नाकाम रही, बल्कि नौजवानों और किसानों को खाद के लिए लाइन में खड़ा कर दिया। जनता आगामी चुनाव में इसका जवाब देगी। प्रदर्शन में गोपाल धांगर, लालू यादव, बाबूंदार धांगर, लक्ष्मण प्रसाद मौर्य, त्रिवेणी प्रसाद गुप्ता, मुन्ना कुशवाहा, सुरेश अग्रहरि, राजेश भारती आदि मौजूद रहे। संचालन अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष फारुख अली जीलानी ने की।

सोनभद्र में पैर फिसलने से चेकडैम में स्नान के दौरान अधेड़ की मौत

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मधुवन में एक दुखद घटना सामने आई है। मंगलवार सुबह

लगभग 6 बजे स्नान के लिए चेकडैम गए जयलाल गौड़ (54) की डूबने से मौत हो गई। जयलाल स्नान करते समय अचानक पैर फिसल जाने से गहरे पानी में चले गए। कीचड़ में पैर फंस जाने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए। जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। चेकडैम के किनारे उनका तौलिया और गंजी मिली। ग्रामीणों की मदद से तलाश करने पर पानी से उनका शव बरामद किया गया। ग्राम प्रधान बर्फीलाल ने घटना की सूचना दुद्धी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पंचनामा भरने के बाद शव को दुद्धी मर्चरी हाउस भेज दिया गया। एसआई श्यामानंद के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह पानी में डूबने का मामला लग रहा है। मृतक की पत्नी दिलब्सिया देवी की शिकायत पर पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। मृतक जयलाल स्वर्गीय रामसेवक गौड़ के पुत्र थे और मधुवन के निवासी थे।

क्रीम बिस्किट में क्रीम नहीं, केमिकल होता है,बढ़ता डायबिटीज,हार्ट डिजीज और कैंसर का जोखिम, छोटे बच्चों को न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत में क्रीम बिस्किट खूब खाए जाते हैं। इनमें हानिकारक ट्रांस फैट और केमिकल मिलाए जाते हैं। बिस्किट्स के बीच भरी हुई मीठी क्रीम जितनी स्वादिष्ट लगती है, उतनी ही नुकसानदेह भी है। ये बिस्किट्स, जो अक्सर खाने के बाद मीठे में या शाम की चाय-कॉफी के साथ खाए जाते हैं, हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये बच्चों के लिए अधिक नुकसानदायक हैं, क्योंकि उन्हें इन बिस्किट्स की लत लग जाती है। जिस क्रीम के नाम पर इन बिस्किट्स को क्रीम बिस्किट कहकर बेचा जा रहा है, असल में वह क्रीम नहीं है। यह एक नकली नॉन-डेयरी मिश्रण होता है। इन्हें बनाने के लिए सस्ते और खतरनाक केमिकल्स इस्तेमाल होते हैं। ये दिल की बीमारी, मोटापा और बच्चों की ग्रोथ से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। जानेंगे कि- इसमें मिला ट्रांस फैट कितना नुकसानदायक है? इसकी जगह क्या खा सकते हैं? बिस्किट के

बीच में जो मीठी चीज लगी होती है, वह क्रीम नहीं होती है। यह कई सस्ते केमिकल्स और ट्रांस फैट से बनी चीज होती है। इसमें कोई पोषक तत्व नही होता है। इससे सेहत को सिर्फ नुकसान होता है।बिस्किट के बीच में लगी क्रीम बनाने के लिए कई अनहेल्दी चीजों का इस्तेमाल होता है। क्रीम जैसी दिख रही चीज को बनाने के लिए वेजिटेबल फैट का इस्तेमाल होता है। इसे मीठा बनाने के लिए शुगर सिरप मिलाया जाता है। इसके बाद इसमें स्वाद बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल फ्लेवर मिलाए जाते हैं। ऐसी कई चीजें मिलाने के बाद सबसे आखिर में प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं, ताकि इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ जाए। क्रीम बिस्किट में सबसे नुकसानदायक चीजों में से एक ट्रांस फैट है। आमतौर बिस्किट की क्रीम बनाने के लिए इस्तेमाल हुए वनस्पति घी में खूब सारा ट्रांस फैट होता है। ट्रांस फैट्स से शरीर में एलडीएल यानी 'खराब' कोलेस्ट्रॉल को बढ़ता है और एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल घटता है। इससे हार्ट अटैक या दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है। अगर ट्रांस फैट का सेवन लंबे समय तक किया जाए तो शरीर में इन्फ्लेमेशन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और टाइप-2 डायबिटीज जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है।ट्रांस फैट बच्चों के लिए अधिक खतरनाक होता है। इससे पेट और कमर के आसपास मोटापा बढ़ता है, लिवर की बीमारियां बढ़ सकती हैं। बच्चों की ग्रोथ में देरी का कारण बन सकता है। यहां तक कि यह पाचन तंत्र और आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को भी नुकसान पहुंचाता है, जिससे पाचन बिगड़ता है और इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। शुगर सिरप के नुकसान- ब्लड ग्लूकोज लेवल तेजी से बढ़ाता है, जिससे इंसुलिन स्पाइक होता है। इससे ओबिसिटी बढ़ती है और मेटाबॉलिक सिंड्रोम हो सकता है। फ्रुक्टोज से लिवर में फैट जमा होता है और फैटी लिवर डिजीज हो कती है। डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है।कुछ फ्लेवरिंग एजेंट्स जैसे डायएसिटाइल से न्यूरोलॉजिकल नुकसान हो सकते हैं। बच्चों में हाइपरएक्टिविटी, चिड़चिड़ापन और एडीएचडी जैसे लक्षण दिख सकते हैं।शरीर में एलर्जिक रिएक्शन और इम्यून रिस्पॉन्स कमजोर हो सकता है।कई आर्टिफिशियल रंगों को कार्सिनोजेनिक माना जाता है। बच्चों में कॉन्संट्रेशन की कमी और हाइपरएक्टिविटी की कमी हो सकती है। लिवर और किडनी पर टॉक्सिक प्रभाव हो सकते हैं। कुछ लोगों में स्किन एलर्जी और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।पेट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया प्रभावित होते हैं। इससे आंतों में सूजन और लीकी गट सिंड्रोम हो सकता है। मूड डिसऑर्डर और ऑटो-इम्यून डिजीज हो ससकती है। शरीर की इम्यून

प्रतिक्रिया को गलत दिशा में मोड़ सकते हैं। बीएचए और बीएचटी जैसे प्रिजर्वेटिव्स से कैंसर हो सकता है। सोडियम बेंजोएट से विटामिन सी मिलता है तो बेंजीन नामक कैंसरजनक तत्व बना सकता है। बच्चों में व्यावहारिक बदलाव, चिड़चिड़ापन हो सकती है। इनके कारण एकाग्रता की कमी हो सकती है। लिवर और किडनी पर बोझ बढ़ाता है।क्रीम बिस्किट खाने से

सिर्फ मोटापा नहीं बढ़ता है, बल्कि इनमें ऐसे एडिटिव यानी रासायनिक तत्व होते हैं जो धीरे-धीरे शरीर में जमा हो सकते हैं। इससे एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं।क्रीम बिस्किट खाना सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि यह गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इन बिस्किट्स में चीनी, मैदा और हानिकारक फैट ज्यादा होता है, जबकि फाइबर और पोषण की मात्रा बहुत कम होती है। इस वजह से ये किसी नशे जैसे हो जाते हैं और लोग इन्हें ज्यादा मात्रा में खा लेते हैं। धीरे-धीरे इससे मोटापा, इंसुलिन रेसिस्टेंस और फैटी लिवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यहां तक कि किशोरों यानी टीनएजर्स को भी ये समस्याएं हो सकती हैं।ऐसे प्रोसेस्ड फूड्स में बहुत कैलोरी ज्यादा होती है, लेकिन जरूरी पोषण नहीं होता है। इनमें मौजूद रिफाइंड शुगर और सिंथेटिक तत्व मेटाबॉलिक सिंड्रोम, हार्ट से जुड़ी दिक्कतों और ऑटोइम्यून बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, ये फूड्स शरीर के हार्मोन्स को भी बिगाड़ देते हैं। खासकर किशोरों में हार्मोनल असंतुलन और थायरॉइड जैसी समस्याएं जंक फूड्स की वजह से देखने को मिल रही हैं, क्योंकि उनका पोषण ठीक नहीं होता और वे लगातार ऐसे फूड खाते रहते हैं।क्रीम बिस्किट्स के बजाय कुछ हेल्दी विकल्प हो सकते हैं। इनके बदले में साबुत अनाज या बाजरे से बने कुकीज, नट बटर जैसे मूंगफली या बादाम से बने स्नैक्स या खजूर और मेवे की बार्स खा सकते हैं। घर पर बनी ओट कुकीज, जिन्हें केले, नारियल तेल और ड्राई फ्रूट्स से बनाया जाए, एक बेहतरीन विकल्प हैं। कुछ हेल्दी स्नैक्स जैसे- मूंग खाखरा, भुना चना, मखाना और सीड्स या नट्स से बने क्रैकर्स खा सकते हैं। राजगिरा या मुरमुरे की चिक्की भी अच्छा विकल्प हो सकती है, बशर्ते इसे कम-से-कम सामग्री के साथ तैयार किया गया हो। क्रीम बिस्किट स्वाद में मीठे जरूर होते हैं, लेकिन सेहत के लिए मीठे नहीं होते हैं। पेरेंट्स और सभी लोग खाने की चीजों का इंग्रीडिएंट लेबल जरूर पढ़ने चाहिए और जब भी मीठा खाने का मन हो तो प्राकृतिक और कम प्रोसेस्ड स्नैक्स को प्राथमिकता दें।

डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा,एफएआई अधिकारी ने पुष्टि की,15 अंक के साथ क्वालिफाई, 27-28 अगस्त को ज्यूरिख में मुकाबला

नयी दिल्ली। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग-2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद फाइनल टेबल में 15 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होने जा रहे मुकाबले के लिए क्वालिफाई किया। 27 साल के नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया राउंड में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का करियर बेस्ट थ्रो फेंका और दूसरे स्थान पर रहे। फिर नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया- 'अभी तक की जानकारी के अनुसार नीरज पूरी तरह फिट हैं और वे डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे।' फिलहाल, नीरज चोपड़ा चेक रिपब्लिक में ट्रेनिंग कर रहे हैं।ब्रसेल्स राउंड में खेलने न खेलने से फर्क नहीं पड़ेगा 2022 में डायमंड लीग का खिताब जीत चुके नीरज चोपड़ा के 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग के आखिरी राउंड में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है। हालांकि, उनके इस राउंड में हिस्सा लेने या न लेने से उनकी फाइनल स्टेंडिंग टेबल में फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे पहले ही डायमंड लीग के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।अगले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप में खिताब बचाने उतरेंगे नीरज नीरज चोपड़ा 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने पिछले सीजन में बुडापोस्ट में 88.17 मीटर के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता था।डायमंग लीग एथलेटिक्स (ट्रैक और फील्ड) का एक टूर्नामेंट है, जिसमें एथलेटिक्स के 16 इवेंट (मेंस और विमेंस) होते हैं। यह हर साल दुनिया के अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है। डायमंड लीग एथलेटिक्स सीरीज हर साल मई से सितंबर तक आयोजित की जाती है और सीजन का समापन डायमंड लीग फाइनल के साथ होता है। आमतौर पर डायमंड लीग के सीजन में प्रतियोगिताओं की संख्या 14 होती है, जिसमें फाइनल भी शामिल होता है, लेकिन कभी-कभी यह संख्या बदल जाती है। हर इवेंट में टॉप-8 खिलाड़ियों को पॉइंट्स मिलते हैं, पहले नंबर के खिलाड़ी को 8 और 8वें नंबर के खिलाड़ी को एक पॉइंट मिलता है। 13 इवेंट के बाद सभी खिलाड़ियों के पॉइंट्स काउंट होते हैं। टॉप-10 पोजिशन पर फिनिश करने वाले खिलाड़ियों को डायमंड लीग फाइनल में जगह मिलती है। इसमें जीतने वाले खिलाड़ी को डायमंड लीग विजेता की ट्रॉफी और कैश प्राइज मिलता है।

राजगीर में 29 अगस्त से हीरो एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप,सात देशों की टीम ले रही हिस्सा, विजेता टीम को विश्व कप में सीधे मिलेगी एंट्री

नयी दिल्ली।बिहार के राजगीर खेल परिसर में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हीरो एशिया कप पुरुष हॉकी के 12वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर टूर्नामेंट के शुभंकर 'चांद' का अनावरण किया गया है। जो हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को समर्पित है। टूर्नामेंट का शुभंकर एक बाघ के रूप में डिजाइन किया गया है। जिसे 'चांद' नाम दिया गया है। यह नाम स्वयं में एक गहरा संदेश समेटे हुए हैं। मेजर ध्यानचंद की याद में, जो चांदनी रातों में अभ्यास करके हॉकी की दुनिया में अमर हो गए। शुभंकर के सीने पर पद्मभूषण का मेडल लगाया गया है, जो उनके असाधारण योगदान को दर्शाता है। राष्ट्रीय पशु बाघ का चयन कोई संयोग नहीं है। यह साहस, स्फूर्ति और कौशल का प्रतीक है। वे गुण जो हर हॉकी खिलाड़ी में होने चाहिए। 'चांद' का लाल लबादा शक्ति और उत्साह को दर्शाता है, जबकि जादूगर की टोपी मेजर ध्यानचंद की जादूगरी का प्रतीक है। एशिया की दिग्गज टीमों का जमावड़ा- इस बार के टूर्नामेंट में एशिया की सात टीमें भाग ले रही हैं। भारत की मेजबानी में चीन, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और ओमान की टीमें अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। हालांकि, पाकिस्तान की टीम किसी कारणवश इस बार भाग नहीं ले रही है। इस टूर्नामेंट की महत्ता इसलिए और भी बढ़ जाती है कि विजेता टीम को विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश का अधिकार मिलेगा। यह अवसर हर टीम के लिए सुनहरा है और निश्चित रूप से प्रतिस्पर्धा को और भी रोमांचक बनाएगा।रविवार से शुरू हुई ट्रॉफी गौरव यात्रा का आयोजन एक सराहनीय पहल है। यह यात्रा केवल बिहार के सभी जिलों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चेन्नई, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, असम और झारखंड जैसे राज्यों में भी जाएगी। यह न केवल टूर्नामेंट के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि हॉकी के प्रति युवाओं में उत्साह भी जगाएगी। ट्रॉफी की यात्रा के लिए दो अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। पहला मार्ग वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज और सीवान होते हुए 28 अगस्त को राजगीर पहुंचेगा। दूसरा मार्ग भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद और गया होते हुए राजगीर तक जाएगा। एशिया कप का गौरवशाली इतिहास- एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है। कब कहां विजेता उपविजेता- भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत आठ बार फाइनल में पहुंची है, लेकिन पांच बार हार का सामना करना पड़ा है। यह आंकड़ा भारतीय हॉकी की निरंतरता और दृढ़ता को दर्शाता है।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से ऑफिशियली बाहर, ओमान भी हटाःबांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका मिला, 29 अगस्त से टूर्नामेंट शुरू होगा

नयी दिल्ली। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से बाहर हो गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने बताया- 'मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया।' इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत आठ बार फाइनल में पहुंची है, लेकिन पांच बार हार का सामना करना पड़ा है। यह आंकड़ा भारतीय हॉकी की निरंतरता और दृढ़ता को दर्शाता है।

क्रिकेट एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान आजःगिल-सिराज पर सस्पेंस बरकरार,यशस्वी- वाशिगंटन को मौका मिल सकता है

नयी दिल्ली। भारतीय सिलेक्टर्स आज दोपहर 1:30 बजे मुंबई में एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान करेंगे। माना जा रहा है कि उनके फैसले सबकी उम्मीदों से अलग हो सकते हैं। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी को टीम में जगह बनाने में मुश्किल हो सकती है। सूर्यकुमार यादव टी-20 टीम के कप्तान हैं, ऐसे में उनकी जगह तो तय है। अब टीम को बल्लेबाजों की पोजिशन के लिए 4 से 6 और खिलाड़ियों को चुनना है। इन पोजिशन के लिए अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड, रिंकू सिंह, रियान पराग और श्रेयस अय्यर दावेदार हैं। शुभमन, यशस्वी और श्रेयस को इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज में चुना नहीं गया था, लेकिन तीनों ही प्लेयर्स ने घ्ठ्य में अपना दमदार फॉर्म दिखा दियाया। हालांकि, इनमें से 1 या 2 को ही टीम में जगह मिलती नजर आ रही है।गिल ने आईपीएल में 650 रन बनाए, लेकिन वह बतौर ओपनर खेले थे। एशिया कप के लिए चयनकर्ता अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बतौर ओपनर बनाए रखना चाहते हैं। तीसरे ओपनर के तौर पर गिल और

यशस्वी जायसवाल का नाम चर्चा में है, लेकिन फिलहाल जायसवाल आगे दिख रहे हैं। बाकी बल्लेबाजों में तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह के चुने जाने की संभावना है। एक और बल्लेबाजी स्लॉट खाली है, जिसके लिए शिवम दुबे और वॉशिंगटन सुंदर के नाम पर विचार होगा। श्रेयस अय्यर के चुने जाने की संभावना कम है। विकेटकीपर पोजिशन के लिए संजू सैमसन पहली चॉइस हैं। वे पिछले 1 साल में भारत के लिए 3 टी-20 शतक लगा चुके हैं। उनके ऑप्शन के रूप में ऋषभ पंत बेस्ट रहते, लेकिन वे इंजरी के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में ध्रुव जुरेल, जितेश शर्मा और प्रभसिमरन के रूप में ऑप्शन बचते हैं। जुरेल को पिछली सीरीज में मौका मिला था, वहीं जितेश और प्रभसिमरन बेहतरीन फॉर्म में हैं। हालांकि, पिछली टीम और आईपीएल परफॉर्मेंस को देखते हुए जितेश शर्मा को मौका मिलने की ज्यादा संभावनाएं हैं। सिराज का चयन मुश्किल गेंदबाजी में सिराज का चयन मुश्किल माना जा रहा है। जसप्रीत बुमराह मुख्य गेंदबाज होंगे और उनके साथ अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा या हर्षित राणा में से किसी एक-दो को मौका मिल सकता है। हार्दिक पांड्या भी तेज गेंदबाज के तौर पर रहेंगे। मोहम्मद शमी की वापसी लगभग नामुमकिन लग रही है। स्पिन में कुलदीप रहेंगे स्पिन डिपार्टमेंट में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और उपकप्तान अक्षर पटेल होंगे। वॉशिंगटन सुंदर को भी मौका मिल सकता है, लेकिन उनकी जगह पक्की नहीं है। एशिया कप के लिए पॉसिबल स्क्वॉड सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शुभमन गिल/ यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रियान पराग/ वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह। भारत-पाक एक ही ग्रुप में एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को एक ही ग्रुप में रखा गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग ग्रुप-बी में हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को यूएई, 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा। भारत और पाकिस्तान ने अगर सुपर-4 स्टेज में जगह बनाई तो दोनों टीमें फिर एक बार 21 सितंबर को आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 स्टेज में टॉप किया तो दोनों के बीच टूर्नामेंट में तीसरा मुकाबला भी हो सकता है।एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

अल्काराज ने सिनसिनाटी मास्टर्स का खिताब जीता

नयी दिल्ली। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अपना पहला खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर को पहले सेट के दौरान चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह अल्काराज का इस टूर्नामेंट में पहला खिताब है और 2025 में उनकी छठी ट्रॉफी। पिछले तीन महीनों में यह चौथा मौका है जब सिनर और अल्काराज किसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़े। यह सिलसिला रोम से शुरू हुआ, फिर फ्रेंच ओपन और विम्बलडन में जारी रहा और अब सिनसिनाटी में एक और मास्टर्स 1000 फाइनल में दोनों आमने-सामने थे।

एशिया कप के लिए क्या होगा भारत का स्क्वॉडःअक्षर या शुभमन किसे मिलेगी उपकप्तानी? ओपनर्स कौन होंगे? बैकअप विकेटकीपर में कितने ऑप्शन?

नयी दिल्ली। एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट इस साल 9 सितंबर से खेला जाएगा। 17 सदस्यीय टीम अनाउंस करने की आखिरी तारीख 19 अगस्त है। पाकिस्तान ने अपनी टीम की घोषणा भी कर दी है। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि भारतीय टीम में किन 17 प्लेयर्स को मौका मिलेगा? 5 पॉइंट्स में भारत की संभावित टीम- 1. बल्लेबाजों में क्या शुभमन, यशस्वी रहेंगे? सूर्यकुमार यादव टी-20 टीम के कप्तान हैं, ऐसे में उनकी जगह तो तय है। अब टीम को बल्लेबाजों की पोजिशन के लिए 4 से 6 और खिलाड़ियों को चुनना है। इन पोजिशन के लिए अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड, रिंकू सिंह, रियान पराग और श्रेयस अय्यर दावेदार हैं। शुभमन, यशस्वी और श्रेयस को इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज में चुना नहीं गया था, लेकिन तीनों ही प्लेयर्स ने आईपीएल में अपना दमदार फॉर्म दिखा दिया। हालांकि, इनमें से 1 या 2 को ही टीम में जगह मिलते नजर आ रही है। अभिषेक और तिलक टी-20 बैटर्स रैंकिंग के टॉप-2 स्थान पर हैं और उनकी जगह भी तय है। टीम पराग या रिंकू में से भी किसी एक को ही मौका देगी। यानी सूर्या को मिलाकर 4 और बल्लेबाजों को स्क्वॉड में जगह मिल सकती है। 2. विकेटकीपर में सैमसन के साथ ईशान-राहुल भी मौजूद विकेटकीपर पोजिशन के लिए संजू सैमसन पहली चॉइस हैं, वे पिछले 1 साल में भारत के लिए 3 टी-20 शतक लगा चुके हैं। उनके ऑप्शन के रूप में ऋषभ पंत बेस्ट रहते, लेकिन वे इंजरी के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में ध्रुव जुरेल, जितेश शर्मा और प्रभसिमरन के रूप में ऑप्शन बचते हैं। जुरेल को पिछली सीरीज में मौका मिला था, वहीं जितेश और प्रभसिमरन बेहतरीन फॉर्म में हैं। हालांकि, पिछली टीम को देखते हुए जुरेल को ही मौका मिलने की ज्यादा संभावनाएं हैं। इनके अलावा ईशान किशन और केएल राहुल भी रेस में हैं, लेकिन दोनों ही विकेटकीपर टॉप ऑर्डर पोजिशन में खेलते हैं। इनमें से किसी को तब ही मौका मिलेगा, जब सैमसन या कोई ओपनर इंजर्ड होगा। ओपनिंग पोजिशन पर वैसे भी सैमसन के अलावा अभिषेक, यशस्वी और शुभमन के रूप में 3 दावेदार पहले से हैं। ऐसे में ईशान और राहुल का शामिल होना मुश्किल है।3. ऑलराउंडर्स में हार्दिक, अक्षर की जगह पक्की हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में भारत के पास 5 ऑलराउंडर हैं। हेड कोच गौतम गंभीर सभी फॉर्मेट की टीम में ऑलराउंडर्स को ज्यादा तवज्जो देते हैं, ऐसे में पांचों खिलाड़ियों को एशिया कप की टीम में मौका मिल सकता है। इनमें से किसी एक को बाहर करने की जरूरत पड़ी तो सुंदर या रेड्डी में से किसी को बाहर किया जा सकता है।4. बॉलर्स में बुमराह रहेंगे या नहीं? तेज गेंदबाजों के ऑप्शन के रूप में भारत के पास अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी के ऑप्शन हैं। बुमराह को वर्कलोड के कारण ही इंग्लैंड सीरीज में 2 मैच नहीं खिलाए गए थे, ऐसे में वे एशिया कप के लिए भी फिट हैं। बुमराह के साथ अर्शदीप को भी टीम में मौका मिलेगा। बाकी 4 पेसर्स में किन्हीं 2 को मौका दिया जा सकता है। सिराज को आराम मिलने की संभावनाएं ज्यादा हैं। वहीं प्रसिद्ध और हर्षित का घ्ठ्य में फॉर्म बेहतरीन रहा। शमी भी फिट हैं, लेकिन टी-20 टीम से अब उनकी छुट्टी हो सकती है। स्पिन गेंदबाजों में अक्षर और सुंदर के रूप में 2 ऑलराउंडर हैं। इनके अलावा फुल टाइम स्पिनर्स में कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती के ऑप्शन हैं। अगर स्क्वॉड में जगह रही तो तीनों को मौका मिल जाएगा। अगर किन्हीं 2 को चुनना पड़ा तो बिश्नोई को बाहर किया जा सकता है। टीम

में 2 स्पेशलिस्ट स्पिनर्स तो जरूर रहेंगे।5. शुभमन या अक्षर कौन रहेगा उप कप्तान? पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर गई। यहां ऋतुराज गायकवाड और शुभमन गिल ने टीम की कप्तानी की, ज्यादातर मुकाबले में शुभमन ही लीडर रहे। अगली सीरीज श्रीलंका से हुई, यहां गिल को उप कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई। श्रीलंका सीरीज के बाद भारत ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड से टी-20 सीरीज खेली।

इनमें शुभमन को आराम दिया गया, जिस कारण अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया। अब बड़ा सवाल है कि एशिया कप में शुभमन को उप कप्तानी मिलेगी या अक्षर को? शुभमन को टीम में भी मौका मिलेगा या नहीं?

ये भी बड़ा सवाल है, क्योंकि टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को है, इसके 3 दिन बाद ही टीम इंडिया को वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसमें शुभमन ही कप्तानी करेंगे। इसी सीरीज को देखते हुए यशस्वी, सुंदर, राहुल और जुरेल को भी बाहर रखा जा सकता है। चारों ही प्लेयर्स टेस्ट टीम के मेंबर्स भी हैं।एशिया कप के लिए पॉसिबल स्क्वॉड सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शुभमन गिल, ध्रुव जुरेल/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रियान पराग, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह।

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों

पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दवाब बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे

अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह के नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था। लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी।बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी।

ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कड़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन

करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

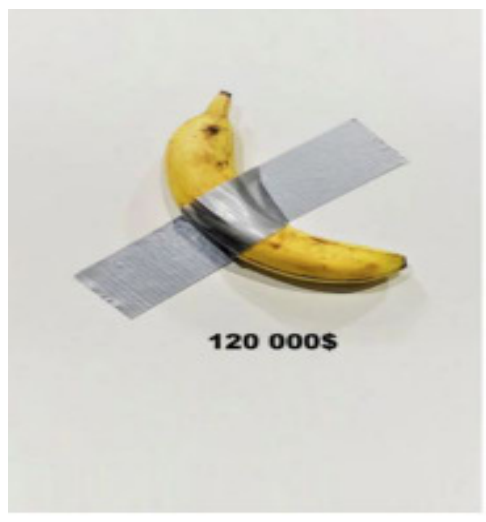

एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते

हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

रूस-यूक्रेन में फिलहाल सीजफायर नहीं,ट्रम्प ने मीटिंग रोक पुतिन को फोन किया,यूक्रेन सिक्योरिटी गारंटी के बदले रु8 लाख करोड़ के अमेरिकी हथियार खरीदेगा

आज इस बारे में बात हुई कि इसे कैसे हासिल किया जाए। रुबियो ने कहा- पुतिन का यह कहना कि 'हां, मैं जेलेंस्की से मिलूंगा' अपने आप में बड़ी बात है। मैं यह नहीं कह रहा कि वे दोस्त बन जाएंगे या शांति समझौता हो जाएगा, लेकिन यह कि लोग अब एक-दूसरे से बात कर रहे हैं, यह पिछले साढ़े तीन साल में नहीं हुआ।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वॉशिंगटन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूक्रेन के लिए एक मजबूत और ठोस शांति समझौता चाहिए। उन्होंने बताया कि अलास्का में रूस ने युद्धविराम से इनकार कर दिया था, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प को भरोसा है कि बिना युद्धविराम के भी समझौता हो सकता है। मैक्रों ने कहा कि हम देखेंगे कि आगे क्या होता है। उन्होंने जोर दिया कि सबसे जरूरी है यूक्रेन पर बमबारी रोकना। एनबीसी न्यूज के मुताबिक ट्रम्प से कैसे बात करें, इसके लिए जेलेंस्की को यूरोपीय नेताओं ने तैयार किया था। ब्रिटिश PM स्टार्मर ने इसके लिए खास जेलेंस्की को सलाह दी थी। उन्होंने जेलेंस्की को कहा था कि वे ट्रम्प को हथियारों और कूटनीतिक मदद के लिए धन्यवाद दें। मेलानिया ट्रम्प के लिए अपनी पत्नी की तरफ से चिट्ठी सौंपना भी इसी ट्रेनिंग का हिस्सा था। स्टार्मर ने ही उन्हें सलाह दी थी कि आलोचना से बचने के लिए वे युद्ध वाली वर्दी की बजाय सूट पहनें। जेलेंस्की ने ट्रम्प की उस पहल की तारीफ की जिसमें उन्होंने पुतिन के साथ बातचीत का सुझाव दिया था। ट्रम्प ने इसे बहुत दोस्ताना तरीके से स्वीकार किया।जेलेंस्की ने बताया कि ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बैठक में यूक्रेन की सुरक्षा के लिए एक योजना पर बात हुई। इसके तहत यूक्रेन यूरोप के पैसे से 90 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार खरीदेगा। जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा का एक और हिस्सा यह होगा कि यूक्रेन ड्रोन बनाएगा, जिनमें से कुछ को अमेरिका खरीदेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा कि यह योजना अभी चर्चा में है और कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि अगले एक हफ्ते या 10 दिनों में इस समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय बैठक और उसके बाद त्रिपक्षीय बैठक का प्रस्ताव रखा है।ट्रम्प के साथ बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा कि वह पुतिन के साथ किसी भी तरह की बैठक के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने कहा कि वह त्रिपक्षीय बैठक में शामिल होंगे, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पहली बैठक कैसी रहती है। जेलेंस्की ने बताया कि उन्हें द्विपक्षीय बैठक की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह बैठक के लिए कोई शर्त नहीं रखना चाहते, क्योंकि पुतिन भी अपनी शर्तें रख सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा- मुझे पूरा यकीन है कि हमें मिलना चाहिए और युद्ध खत्म करने के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए।जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत

के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से अगले दो हफ्ते में मुलाकात की हामी भरी है। मर्त्ज ने कहा कि इस मुलाकात की जगह अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस बैठक की अच्छे से तैयारी करनी होगी, लेकिन उन्हें नहीं पता कि पुतिन इसमें शामिल होने की हिम्मत करेंगे या नहीं।एक व्हाइट हाउस अधिकारी ने सीएनएन बताया कि ट्रम्प के साथ बैठक के लिए आए ज्यादातर यूरोपीय नेता व्हाइट हाउस से जा चुके हैं। अधिकारी ने कहा कि जो नेता अभी रुके हैं, वे भी जल्द ही रवाना हो जाएंगे। व्हाइट हाउस ने 'लिड' जारी कर दिया है, यानी ट्रंप आज फिर से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखेंगे। जब व्हाइट हाउस लिड जारी करता है, तो इसका मतलब है कि राष्ट्रपति उस दिन और कोई सार्वजनिक कार्यक्रम या प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करेंगे।आसान भाषा में लिड का मतलब है कि राष्ट्रपति के दिन का कामकाज खत्म हो गया है और वह आज सार्वजनिक रूप से नहीं दिखेंगे।ट्रम्प, जेलेंस्की और बाकी यूरोपीय नेताओं के बीच व्हाइट हाउस में कई बैठकें हुईं। व्हाइट हाउस ने इससे जुड़ी जानकारियों को मीडिया से दूर रखा है। कुछ यूरोपीय नेताओं को ट्रम्प के साथ ओवल ऑफिस की बैठक के बाद शाम लगभग 6 बजे बाहर निकलते देखा गया। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मीटिंग कुछ हद तक सफल रही। वहीं, जेलेंस्की के प्रवक्ता ने पत्रकारों को बताया कि जेलेंस्की और यूरोपीय नेता अभी वॉशिंगटन में ही रुके हैं, ताकि बातचीत जारी रखी जा सके।क्रेमलिन ने जानकारी दी है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पुतिन से बातचीत की है। इसके लिए ट्रम्प ने जेलेंस्की और यूरोपीय यूनियन के नेताओं संग हो रही बातचीत रोक दी। दोनों नेताओं के बीच 40 मिनट बातचीत हुई। पुतिन के सलाहकार यूरी उशाकोव के मुताबिक, पुतिन ने अलास्का बैठक में ट्रम्प के स्वागत के लिए धन्यवाद किया। दोनों नेताओं ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया।ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि व्हाइट हाउस में यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ हुई बैठक बहुत सफल रही। उन्होंने बताया कि बैठक में यूक्रेन की सुरक्षा के लिए गारंटी पर चर्चा हुई, जिसमें यूरोपीय देश मुख्य भूमिका निभाएंगे और अमेरिका उनका साथ देगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि बैठकों के बाद मैंने पुतिन को फोन किया?, इसके बाद जेलेंस्की और पुतिन के बीच बैठक की तैयारी शुरू हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि यह बैठक कहां होगी, यह बाद में तय होगा। इसके बाद हम तीनों- मैं, पुतिन और जेलेंस्की- एक त्रिपक्षीय बैठक करेंगे। यह लगभग चार साल से चल रहे युद्ध को रोकने का अच्छा शुरुआती कदम है। ट्रम्प ने लिखा कि सभी लोग रूस-यूक्रेन में शांति की संभावना से बहुत खुश हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह मुलाकात कब होगी।राष्ट्रपति जेलेंस्की के प्रवक्ता सेरही नाइकिफोरोव ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं के बीच व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में बातचीत फिर से शुरू हो गई है। यह बैठक अब सिर्फ नेताओं के बीच हो रही है। जेलेंस्की और यूरोपीय नेता इस वक्त ट्रम्प के साथ ओवल ऑफिस में हैं।राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ चल रही बैठक बीच में रोककर रूस के राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के सूत्रों ने यह जानकारी सीएनएन को दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत के दौरान यूरोपीय नेता मौजूद नहीं थे। पुतिन के साथ बातचीत के बाद यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत फिर से शुरू की गई।अमेरिका के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन अपनी टीम के साथ यूक्रेन को सुरक्षा देने की योजना पर काम कर रहे हैं। यह काम व्हाइट हाउस में आज होने वाली बैठकों से पहले हो रहा है। सीएनएन को यह जानकारी व्हाइट हाउस के सूत्रों ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप के देश भी यूक्रेन की सुरक्षा के लिए ऐसी ही योजनाएं बना रहे हैं। लेकिन अमेरिका क्या कदम उठाएगा, इस बारे में अभी कुछ साफ नहीं है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने आज जेलेंस्की के साथ मीटिंग ने कहा था कि वे यूक्रेन में सैनिक भेजने के बारे में सोच सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प की बातों से लगता है कि वे किसी तरह मदद करने को तैयार हैं।राष्ट्रपति ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं के बीच व्हाइट हाउस में हुई बैठक खत्म हो गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के प्रवक्ता सेरही नाइकिफोरोव ने बताया कि नेता व्हाइट हाउस में ही रुके हैं और अलग-अलग तरीके से बातचीत जारी रख रहे हैं। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ एक्स पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि यूक्रेन का भविष्य हम सभी के लिए मायने रखता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय बैठक के बाद 1,000 से ज्यादा यूक्रेनी कैदियों को रिहा कर सकते हैं। हालांकि, पुतिन ने अभी इस बैठक के लिए हामी नहीं भरी है।व्हाइट हाउस में ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं की मीटिंग के बीच रूस ने बयान जारी किया। रूस ने इसमें कहा है कि वह किसी भी सुरक्षा गारंटी के तहत यूक्रेन में नाटो सैनिकों की तैनाती को नहीं मानता। इससे पहले ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा था कि मॉस्को ने मान लिया है कि वॉशिंगटन और उसके यूरोपीय सहयोगी यूक्रेन को ऐसी सुरक्षा गारंटी दे सकते हैं जो किसी भी संघर्ष समाधान के हिस्से के रूप में नाटो के सामूहिक रक्षा अधिकार जैसी होगी। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'हम किसी भी परिदृश्य में यूक्रेन में नाटो देशों की सैन्य टुकड़ी की मौजूदगी को पूरी तरह नकारते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की बार-बार सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रूस समझौते पर सहमत होने के बाद फिर से यूक्रेन पर हमला न करे।व्हाइट हाउस में यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की माइक पर बातचीत रिकॉर्ड हो गई। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फुसफुसाते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन युद्ध खत्म करने के लिए मेरे साथ समझौता करना चाहते हैं। ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि पुतिन डील करना चाहते हैं। मेरे साथ डील करना चाहते हैं, समझे? यह थोड़ा अजीब लगता है।ट्रम्प, यूरोपीय नेताओं और जेलेंस्की के बीच बैठक अब बंद दरवाजों के पीछे शुरू हो गई है। पत्रकारों को बैठक से बाहर निकाल दिया गया है। नेताओं ने पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया है।

एनडीए संसदीय दल की बैठक शुरू,पीएम मोदी पहुंचेःउपराष्ट्रपति उम्मीदवार राधाकृष्णन को सम्मानित किया जाएगा

नयी दिल्ली। दिल्ली में पार्लियामेंट्री लाइब्रेरी बिल्डिंग के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में एनडीए संसदीय दल की बैठक शुरू हो गई है। पीएम मोदी भी बैठक में शामिल होने पहुंच गए हैं। एनडीए के सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसद भी मौजूद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसदीय दल की बैठक को संबोधित कर सकते हैं। बैठक में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित किए जाने की भी संभावना है। 17 अगस्त को भाजपा संसदीय बोर्ड बैठक के बाद एनडीए की तरफ से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राधाकृष्णन के नाम का ऐलान किया गया था। राधाकृष्णन 20 अगस्त को सुबह 11 बजे अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान 20 प्रस्तावकों और 20 समर्थकों समेत लगभग 160 सदस्यों के मौजूद रहने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होने हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था। धनखड़ के इस्तीफे के बाद, चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की घोषणा की थी।जुलाई से संसद का मानसून सत्र चल रहा है। 21 अगस्त को मानसून सत्र का आखिर दिन है। इससे पहले, आज होने वाली बैठक एनडीए सांसदों की दूसरी बैठक है। जून 2024 से अब तक, केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार में आने के बाद किसी संसद सत्र के दौरान एनडीए सांसदों की यह तीसरी बैठक होगी। इससे पहले 5 अगस्त को एनडीए सांसदों की बैठक हुई थी। इसमें एनडीए सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर PM नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नs PM को हार पहनाया। सांसदों ने 'हर-हर महादेव', 'भारत माता की जय' के नारे लगाए थे।इधर, उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कांग्रेस भी अपना उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. की तरफ से डीएमके के राज्यसभा सांसद तिरुचि सिवा उपराष्ट्रपति उम्मीदवार हो सकते हैं। कांग्रेस के एक सीनियर लीडर ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी है। इसके अलावा, अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का भी कैंडिडेट के लिए नाम चल रहा है। 18 अगस्त को I.N.D.I.A ब्लॉक के नेताओं की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली आवास पर मीटिंग हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैठक में उपराष्ट्रपति पद के लिए जॉइंट कैंडिडेट के नाम पर चर्चा हुई। हालांकि नाम का ऐलान नहीं हुआ है। 6 स्टेप में चुना जाता है उपराष्ट्रपति, ऐसे समझें- सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती हैः उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य (सांसद) शामिल होते हैं। राज्यसभा में 233 निर्वाचित सांसद और 12 नामांकित सांसद हैं। लोकसभा में 543 सांसद हैं। यानी कुल सांसदों की संख्या 788 है। मौजूदा समय में राज्यसभा में 5 और लोकसभा में एक सीट खाली है। इसलिए निर्वाचक मंडल में यह संख्या 782 होगी। इस तरह उपराष्ट्रपति चुनाव जीत में 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचनाः चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त को कैंडिडेट नामांकन वापस ले सकता है। नामांकन के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरीः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए। सांसद ही मतदाता, इसलिए प्रचार सीमितः चुनाव में केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता हैः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्टः मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी।लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास एक129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

यूपी के बैंकों में 7200 करोड़ रुपये लावारिस! रकम आरबीआई के पास ट्रांसफर, कहीं आप तो दावेदार नहीं ?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बैंकों

में पिछले कई वर्षों से निष्क्रिय पड़े खातों में जमा 7200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लावारिस पड़ी है। इन खातों में पिछले 10 सालों से कोई लेन-देन नहीं हुआ है, जिसके कारण बैंकों ने इस राशि को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में ट्रांसफर कर दिया है। अब इस धनराशि को वैध दावेदारों तक पहुंचाने के लिए बैंकों ने व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है।जानकारी के अनुसार, इन निष्क्रिय खातों में बड़ी संख्या में ऐसे खाते शामिल हैं जिनके खाताधारकों की मृत्यु हो चुकी है। कई मामलों में खातों के साथ नामिनी (वारिस) का विवरण भी दर्ज नहीं है। इसके अलावा, परिजनों को बैंकिंग नियमों की जानकारी न होने के कारण यह राशि दावेदारों तक नहीं पहुंच पाई है। उत्तर प्रदेश में करीब 2.81 करोड़ उपभोक्ताओं के खातों में यह रकम लावारिस पड़ी थी, जो अब आरबीआई के पास सुरक्षित है।बैंकों ने इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता शिविर शुरू किए हैं, जो 30 सितंबर तक चलेंगे। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने, केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने, और दावा प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति निष्क्रिय खाते पर दावा करता है, तो उसे बैंक में आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इसके बाद बैंक केवाईसी अपडेट करेगा और खाते को सक्रिय करने के लिए आरबीआई को पत्र भेजेगा। प्रक्रिया पूरी होने पर कानूनी वारिस को राशि वापस मिल जाएगी।

दादा-पिता ने 300रु उधार लिए थे, 25 साल पहले 10 साल के बेटे को ले गए सूदखोर,70 साल की मां की गुहार

लखनऊ। 25 साल पहले पति की मौत के बाद गांव के ही कुछ

लोग दस साल के बेटे राममिलन को उठा ले गए और तब से बंधक बनाकर बेगारी करवा रहे हैं। किसी तरह अकेले गुजर बसर कर रही बुजुर्ग मां ने सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान मोहनलालगंज तहसील में अधिकारियों के सामने अपना दर्द रखा। उनका कहना है कि बाबा और पिता ने रुपये उधार लिए थे, जो जीते जी चुका नहीं सके, ऐसे में बेटे से मजदूरी करवा अपनी रकम वसूल रहे हैं।इतना ही नहीं फर्जीवाड़ा करके सारी जमीन भी हड़प ली। साथ ही बताया कि आरोपी बेटे को घर तक नहीं आने देते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तहसील प्रशासन के साथ ही पुलिस को जांच और जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।निगोहां के दखिना शेखपुर निवासी कुसुमा (70) ने मोहनलालगंज तहसील में संपूर्ण समाधान की अध्यक्षता कर रहे एडीएम सिटी महेंद्र सिंह को प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बताया कि पति शिवपाल का 25 साल पहले निधन हो गया था। इसके बाद गांव के ही अशोक और अनमोल तिवारी घर आए और दस साल के बेटे राममिलन को यह कहकर उठा ले गए कि उसके बाबा ने 300 रुपये उधार लिए थे। जिसे जीवित रहते हुए शिवपाल अदा नहीं कर पाया, लिहाजा अब राममिलन मजदूरी करके अदा करेगा। आरोप है कि इसके बाद से ही बेटे को बंधक बनाकर मजदूरी करवा रहे हैं।इतना ही नहीं उसे मृत दिखाकर उसका पुश्तैनी मकान तक बेच डाल और पुश्तैनी जमीन की वरासत में बेटे के नाम करवाने के बाद अब उसे भी हड़पने की फिराक में है। पीड़िता की फरियाद सुनकर एसडीएम पवन पटेल ने नायब तहसीलदार व कानूनगो निगोहां से वरासत की जांच कर एक सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। वहीं एसीपी रजनीश कुमार वर्मा ने एसओ निगोहां को राम मिलन को बंधक बनाए जाने की जांच के निर्देश दिए हैं।

रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी विपक्ष के उपराष्ट्रपति कैंडिडेट,सुप्रीम कोर्ट में जज रह चुके, एनडीए के सीपी राधाकृष्णन से मुकाबला

नयी दिल्ली। I.N.D.I.A ने सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया

है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दोनों 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब कभी लोकतंत्र और संविधान खतरे में आता है, विपक्ष उसे बचाने के लिए एकजुट हो जाता है। I.N.D.I.A दलों ने एक साझा उम्मीदवार रखने का फैसला किया है, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। मुझे खुशी है कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर सहमत हुए हैं। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने कहा कि आम आदमी पार्टी भी हमारे फैसले से सहमत है और जल्द ही वह अपने समर्थन की घोषणा करेगी।लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था। 6 स्टेप में चुना जाता है उपराष्ट्रपति- सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती हैः उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य (सांसद) शामिल होते हैं। राज्यसभा में 233 निर्वाचित सांसद और 12 नामांकित सांसद हैं। लोकसभा में 543 सांसद हैं। यानी कुल सांसदों की संख्या 788 है। मौजूदा समय में राज्यसभा में 5 और लोकसभा में एक सीट खाली है। इसलिए निर्वाचक मंडल में यह संख्या 782 होगी। इस तरह उपराष्ट्रपति चुनाव जीत में 391 सांसदों (50फीसदी) के समर्थन की जरूरत होगी। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचनाः चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त को कैंडिडेट नामांकन वापस ले सकता है। नामांकन के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरीः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए। सांसद ही मतदाता, इसलिए प्रचार सीमितः चुनाव में केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता हैः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्टः मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी।

किसानों के लिए यूरिया रिलीज की मांग को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन,राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन पर हंगामा,प्रियंका भी शामिल हुईं

नयी दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी के आरोप पर मंगलवार को भी जमकर हंगामा हुआ।राज्यसभा की कार्यवाही बमुश्किल 5 मिनट ही चली। उधर, लोकसभा में भी ऐसे हालात रहे। यहां भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा और नारेबाजी की। सदन में नारेबाजी के बीच स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कुछ सवालों के जवाब भी दिए, लेकिन हंगामा नहीं रुका। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को 20 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले सदन के बाहर तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने राज्य में यूरिया की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसमें प्रियंका

गांधी भी शामिल हुईं।विधेयक पर चर्चा करते हुए सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने आपत्ति जताई और कहा कि यह राज्यों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने दलील दी कि भूमि राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र को इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। एआईएडीएमके सांसद एम. थंबीदुरई ने भी इसी मुद्दे को उठाया और कहा कि यह विधेयक राज्यों के अधिकारों पर असर डालेगा। हालांकि, विपक्ष की आपत्तियों को सदन की कुर्सी ने खारिज कर दिया।विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही को 20 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे फिर से शुरू हुई। विपक्ष का वोटर वेरिफिकेशन के मुद्दे पर हंगामा जारी रहा। करीब 15 मिनट की कार्यवाही के बाद सदन को 4 बजे तक स्थगित कर दिया गया।राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे फिर से शुरू हुई। खनिज मंत्री जी किशन रेड्डी ने सदन में खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2025 पेश किया। बिल पर चर्चा करते हुए रेड्डी ने कहा कि पिछले एक दशक में खनन क्षेत्र में काफी बदलाव आया है और यह संशोधन आगे और सुधार लाएगा। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के बाद 2015 तक खनिजों की खोज ठीक से नहीं हो पाई थी। केवल भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग इस कार्य को करता था। 2015 में नेशनल मिनरल डेवलपमेंट एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट बनाया गया और अब इस विधेयक से और पारदर्शिता आएगी।कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि सरकार ने तेलंगाना को केवल 5 लाख टन यूरिया दिया है।

सैयारा ट्रैक के राइटर बोले- सोशल मीडिया फॉलोअर्स दिला सकता है, लेकिन बने रहने के लिए टैलेंट जरूरी

मुंबई। फिल्म सैयारा के गाने काफी पसंद किए गए हैं, जिन्हें

इरशाद कामिल ने लिखा है। हाल ही में दिए इंटरव्यू में इरशाद कामिल ने सैयारा टाइटल ट्रैक बनने, इसकी पॉपुलैरिटी और टारगेट ऑडियंस पर बात की है। उनका मानना है कि सैयारा कि सबसे अच्छी बात ये है कि इससे लिप-सिंक वाले गानों का ट्रेंड लौटा है।पूछे जाने पे की सफलता की क्या उम्मीद थी उन्होंने बताया मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि सैयारा फिल्म, इसका टाइटल सॉन्ग, संगीत, विशेष रूप से फिल्म के हीरो-हीरोइन को जनता ने इतना पसंद किया है। जब कोई फिल्म पूरे देश में पसंद की जाती है, तो मुझे लगता है कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री को इसका फायदा होता है और एक नई ऊर्जा का संचार होता है। सैयारा का इतना हिट होना बहुत अच्छी बात है। बाकी किसी भी गाने या फिल्म के बारे में यह दावा करना अक्लमंदी नहीं है कि यह बहुत बड़ी हिट होगी, भले ही आप कितने भी आश्वस्त क्यों न हों। हमें पता था कि यह गाना लोगों को अच्छा लगेगा, लेकिन यह इस हद तक लोकप्रिय हो जाएगा, खासकर वर्ल्ड लेवल पर वायरल होगा, हमने ऐसा नहीं सोचा था। यह फिल्म इतिहास

में पहली बार हुआ है, और यह जानकर बहुत खुशी हो रही है। पूछने पर की क्या गाना लिखते हुए टारगेट ऑडियंस का ध्यान रखा था? उन्होंने बताया हां, बिल्कुल। मैंने दर्शकों का पूरा ध्यान रखा था। जब आप युवा वर्ग के लिए लिखते हैं, जो अभी-अभी टीनएज से बाहर आए हैं, तो उनकी भाषा और उनकी बातें अलग होती हैं। उनकी भाषा उतनी गहरी नहीं होती जितनी 30 या 40 साल के लोगों की होती है। भाषा का संबंध हमारी उम्र के साथ होता है। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी शब्दावली और सोच में बदलाव आता है। मैंने सैयारा में जिस तरह की भाषा और शब्दावली का इस्तेमाल किया है, वह पूरी तरह से नवयुवकों को ध्यान में रखकर किया गया है। यह अच्छी बात है कि उन्हें यह बहुत पसंद आया और उन्होंने इसे अपनाया।मुझे लगता है कि 'सात

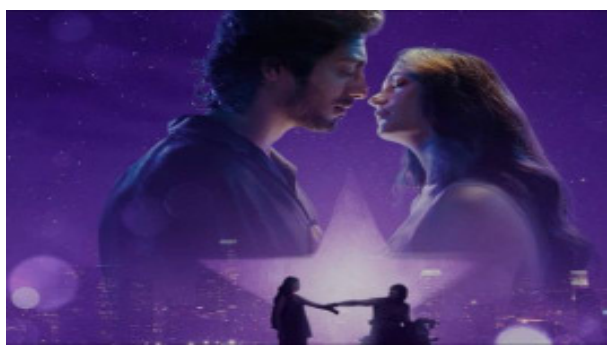

जन्मों के प्यार' का कॉन्सेप्ट एक थ्योरिटिकल कॉन्सेप्ट है, जिसका कोई व्यावहारिक सबूत (प्रैक्टिकल एविडेंस) नहीं है। आज के युवा इन सैद्धांतिक बातों को चुनौती दे रहे हैं। वे रियलिज्म में जीना चाहते हैं। अगर उन्हें कोई रिश्ता अच्छा लगता है, तो वह अच्छा लगता है। अगर नहीं लगता, तो नहीं लगता। आज से 20-25 साल पहले तक हम ऐसे रिश्ते भी निभाते थे जो हमें पसंद नहीं थे। आज के युवा रिश्तों को उनके यथार्थ रूप में देखते हैं। वे कोई झूठी या अत्यधिक काल्पनिक चीज नहीं चाहते। उनको वास्तविकता के करीब की चीजें चाहिए। आप 'सात जन्मों के प्यार' जैसी सैद्धांतिक बातें कहकर उन्हें बहका नहीं सकते। पूछने पर की पुराने गाने तो 'जन्म-जन्मों के प्यार' पर ही आधारित थे। क्या वह समय और आज का समय अलग है? उन्होंने बताया हां, बिल्कुल। समाज

हर 10-15 साल में बदलता है। जिस 'सात जन्म के प्यार' की आप बात कर रहे हैं, वह आज से 30-45 साल पहले बिल्कुल मान्य था। उस समय हम उतने तकनीकी रूप से उन्नत (टैक्सेवी) नहीं थे कि एक-दूसरे से रियल टाइम में बात कर

सकें या मिल सकें। तो प्यार के लिए तड़प अलग थी। या जो चीज मुश्किल से मिलती है, उसे सहेज कर रखने की शिद्दत भी वैसी ही होती है। आज का युवा यथार्थ में जीना चाहता है, और यह बदलाव समाज के साथ-साथ आया है। जब एक कहानी तय हो जाती है, तो

बहुत सारी चीजें अपने आप ही तय हो जाती हैं। जैसे, अगर आप अपने किरदार की उम्र 20 से 23 साल के बीच रखते हैं, तो उनकी अपनी शायरी पूरी की जाती है। यह हिंदी और उर्दू दोनों ही कविता में एक मान्य तरीका है। यह तरीका न तो गलत है और न ही सही, बल्कि यह एक कला है। इसके लिए भी गहरी जानकारी और समझ की जरूरत होती है ताकि दिए गए 'मिसरे' के बराबर का भाव लाया जा सके। यह गाना उस दौरान बना, जब फिल्म का टाइटल फाइनल हो रहा था। मोहित सूरी, जो हमेशा बहुत बेहतरीन म्यूजिकल फिल्में बनाते हैं, वे चाहते थे कि फिल्म का टाइटल ऐसा हो जो पूरी कहानी का निचोड़ कहे। सैयारा गाने की प्लेसिंग ऐसी थी कि यह पूरी फिल्म का सार बता रहा था। मोहित सर को लगा कि अगर यहां पर फिल्म का टाइटल लाया जाए तो सारी चीजें व्यवस्थित हो जाएंगी। मैंने

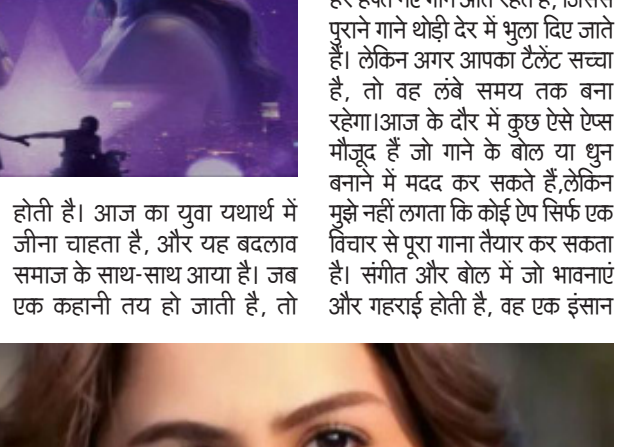

उस सोच को कम्पोजिशन में लाने की कोशिश की, और इस तरह सैयारा का टाइटल सॉन्ग बन गया।मुझे लगता है कि सोशल मीडिया पर किसी चीज का वायरल होना थोड़े समय के लिए आपको पहचान दिला सकता है, फॉलोअर्स दिला सकता है, लेकिन उसकी स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) सिर्फ आपके टैलेंट पर निर्भर करती है। आज हर हफ्ते नए गाने आते रहते हैं, जिससे पुराने गाने थोड़ी देर में भुला दिए जाते हैं। लेकिन अगर आपका टैलेंट सच्चा है, तो वह लंबे समय तक बना रहेगा।आज के दौर में कुछ ऐसे ऐप्स मौजूद हैं जो गाने के बोल या धुन बनाने में मदद कर सकते हैं,लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई ऐप सिर्फ एक विचार से पूरा गाना तैयार कर सकता है। संगीत और बोल में जो भावनाएं और गहराई होती है, वह एक इंसान ही ला सकता है। एआई अभी भी उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया है जहां वह मानवीय भावनाओं को समझ कर वैसा ही संगीत तैयार कर सके।

राजस्थान की मणिका विश्वकर्मा बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया,देशभर की 47 मॉडल्स को पीछे छोड़ा,अब मिस यूनिवर्स के लिए भारत को करेंगी रिप्रजेंट

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर की रहने वाली मणिका

विश्वकर्मा ने मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 का खिताब जीता है। इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए देशभर

से जयपुर आईं 48 फाइनलिस्ट्स के बीच मुकाबला हुआ था। मणिका विश्वकर्मा अब 21 नवंबर 2025 को

थाईलैंड के नोंथाबुरी स्थित इम्पैक्ट चैलेंजर हॉल में होने वाली मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मणिका विश्वकर्मा ने कहा- मैं अपने देश को वर्ल्ड लेवल पर रिप्रजेंट करने को लेकर उत्साहित हूं। हमारे देश की संस्कृति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का मुझे मौका मिला है। यह

मेरे लिए बहुत खास पल है। मणिका ने कहा- मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज अपने प्रदेश में मिलना भी सुखद है। मेरी कोशिश रहेगी कि समाज सेवा में भी मेरा योगदान हो। इसके लिए अभी से काम कर रही हूं। मुझे पेंटिंग के अलावा सिंगिंग और डांसिंग भी बेहद पसंद है। मणिका पॉलिटिकल और इकॉनोमिक्स की स्टूडेंट हैं। इसके अलावा नेशनल अवॉर्डी आर्टिस्ट भी हैं।मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 का ग्रैंड फिनाले सोमवार को जयपुर के सीतापुरा में जी स्टूडियो में हुआ था। ब्यूटी पेजेंट के फिनाले में 1स्ट रनरअप तान्या शर्मा रहीं, जबकि 2री रनरअप महक ढींगरा, 3री रनरअप अमिशी कैशिक और 4 रनरअप सारंगथम निरुपमा रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत एक दमदार डांस परफॉर्मेंस से हुई थी। इसके बाद इंट्रोडक्शन राउंड, स्विम सूट राउंड और इवनिंग गाउन राउंड में प्रतिभागियों ने अपनी सुंदरता, आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। 48 फाइनलिस्ट्स के बीच मुकाबला हुआ था। टॉप-20 और फिर टॉप-11 का सिलेक्शन किया गया। सबसे लास्ट में क्वेश्चन एंड आंसर राउंड में मणिका ने अपनी समझदारी और व्यक्तित्व से निर्णायकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के जूरी बोर्ड में मिस यूनिवर्स इंडिया के ओनर निखिल आनंद, बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला, फेमस बॉलीवुड स्टाइलिस्ट एशले रोबेलो, बॉलीवुड लेखक व निर्देशक फरहाद सामजी शामिल थे।मिस यूनिवर्स इंडिया के ओनर निखिल आनंद ने कहा- यह दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता है। हमें विश्वास है कि मणिका विश्वकर्मा अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करेंगी। जयपुर को इस भव्य आयोजन के लिए चुनना हमारे लिए गर्व की बात है और आगे भी हम यहां कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेंगे। सर्वेश कश्यप ने बताया- प्रतियोगिता केवल सुंदरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

मुझे शक है कि हसबैंड का कुलीग से बढ़ रही नजदीकियां कैसे जानूं, कहीं ये मेरे दिमाग का वहम तो नहीं

नयी दिल्ली। इन चीज़ो को समझते हैं एक महिला और विशेषयज्ञ के सवाल जवाब से। सवाल- सवालमेरी शादी को 2 साल हो चुके हैं। मैं बैंक में सरकारी नौकरी करती हूं और मेरी पोस्टिंग चेन्नई में है, जबकि मेरे हसबैंड दिल्ली में कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करते हैं। हम एक-दो महीने में ही मिल पाते हैं। हाल ही में मुझे शक होने लगा है कि मेरे हसबैंड का अपनी एक कुलीग के साथ अफेयर हो सकता है।

डॉ. अपर्णा माथुर, कपल थेरेपिस्ट, बेंगलुरु- जवाबः- सबसे पहले तो आपको एक गहरी सांस लेनी चाहिए और खुद को थोड़ा सा क्रेडिट देना चाहिए। दो साल से आप एक लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को चेन्नई से दिल्ली तक संभाल रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है, लेकिन यह भी सच है कि दूरी कभी-कभी हमारे मन में शक और डर के बीज बो देती है। आप जो महसूस कर रही हैं, वो बिल्कुल नॉर्मल है। आइए इसे एक-एक करके समझते हैं और आपके सवालों का जवाब ढूंढते हैं। खुद से पूछें ये सवाल- क्या उनके व्यवहार में कोई बड़ा बदलाव आया है? जैसे पहले वे हर रात लंबी बातें करते थे, अब सिर्फ हां-हूं में बात खत्म कर देते हैं। क्या वे पहले की तरह कम्युनिकेट करते हैं? -अब कॉल्स कम हो गए हैं, मैसेजेज का जवाब देर से आता है? क्या कोई ठोस संकेत मिला है? -कोई अजीब मैसेज, कॉल लॉग में कुछ छुपाना या ऐसा कुछ जो आपको सचमुच परेशान करे।

पहले वे ऑफिस की हर बात शेयर करते थे, अब कुछ टॉपिक्स पर चुप्पी साध लेते हैं। अगर इन सवालों का जवाब 'नहीं' है तो बहुत मुमकिन है कि यह आपका वहम हो सकता है। लॉन्ग डिस्टेंस में दिमाग कभी-कभी ओवरथिंकिंग मोड में चला जाता है, खासकर जब आप अकेले हों और उनके बारे में सोच रही हों। अगर जवाब हां है, तो हमें थोड़ा और गहराई से सोचने की जरूरत हो सकती है।शक और डर आपके रिश्ते को कमजोर कर सकते हैं। इसलिए इन्हें कंट्रोल करना जरूरी है। अभी आप जो महसूस कर रही हैं- असुरक्षा या चिंता सब लॉन्ग डिस्टेंस का एक साइड इफेक्ट हो सकता है, लेकिन आप इसे मैनेज कर सकती हैं। अपनी हॉबीज को दें समय-बैंक की नौकरी के बाद थोड़ा टाइम अपनी हॉबीज को दें, दोस्तों और फैमिली के लिए वक्त निकालें। कोई वेब सीरीज देखें या कुकिंग ट्राई करें। इससे दिमाग शांत रहेगा। अच्छे पल याद करें- अपने पति के साथ बिताए अच्छे पलों को याद करें, जैसे आपकी पहली डेट या जब वे आपके लिए सरप्राइज लेकर चेन्नई आए थे। योग या मेडिटेशन करें- सुबह 10 मिनट योग करें या रात को मेडिटेशन करें। इससे आपका स्ट्रेस कम होगा।

जर्नलिंग करें- अपने डर और शक को कागज पर लिखें। लिखते वक्त आपको अपनी भावनाएं ज्यादा स्पष्ट रूप से समझ आएंगी। सच्चाई कैसे जानें? अपने पति से इस बारे में खुलकर बात करें। हालांकि, इस बात का ध्यान रहे कि यह बातचीत झगड़े में नहीं बदलनी चाहिए। आपको अपनी फीलिंग्स शेयर करनी हैं, न कि उन पर इल्जाम लगाना है।अगर आपको अपने पार्टनर से बात करनी है तो वीकेंड पर जब आप दोनों फ्री और रिलैक्स हों, तब बात शुरू करें। कभी भी इस तरह बात न करें कि 'तुम उस कुलीग के साथ अफेयर में हो।' इसके बजाय अपनी फीलिंग्स बताएं। उसे ईमानदारी से बताएं कि मुझे तुम्हारी दोस्ती से थोड़ी असुरक्षा हो रही है। पार्टनर शुरू कर सकती हैं: 'पिछले कुछ दिनों से मैं थोड़ा परेशान हूं। शायद दूरी की वजह से ऐसा लग रहा है। लेकिन जब मैं कॉल करती हूं और तुम अपनी कुलीग के साथ होते हो, तो मुझे अच्छा नहीं महसूस होता है। क्या हम इस बारे में खुलकर बात कर सकते हैं?'

जब आप बात करेंगी, तो उनके रिएक्शन से बहुत कुछ साफ हो जाएगा। यह स्टेप सच्चाई जानने में आपकी मदद करेगा। ये संकेत देखें:- क्या वे आपकी बात को सीरियसली लेते हैं? अगर वे आपको भरोसा देने की कोशिश करते हैं तो यह अच्छा साइन है। क्या वे बात से बचते हैं या गुस्सा करते हैं? अगर वो टॉपिक बदल दे या डिफेंसिव हो जाए तो थोड़ा अलर्ट रहें। क्या वे आपको गलत ठहराते हैं? अगर वो आपकी फीलिंग्स को नजरअंदाज करके ये कहे कि तुम ओवरथिंकिंग कर रहे हो तो अलर्ट रहें। अगर वे आपकी भावनाओं का सम्मान करते हैं और कहता हैं कि मुझे नहीं पता था कि तुम ऐसा फील कर रही हो, मैं आगे से इस बात का ध्यान रखूंगा, तो शायद आपका शक बेकार है। अगर वो गुस्सा करता है या बात को टालता है तो संभव है कि वह कुछ छुपा रहा है। अगर बात बिगड़ जाए तो क्या करें? अगर बातचीत के बाद भी आपको शांति न मिले, तो घबराएं नहीं। कुछ और ऑप्शन्स हैं जो आप ट्राई कर सकती हैं। रिलेशनशिप काउंसलर से मदद लें, एक न्यूट्रल थर्ड पार्टी आप दोनों को सही दिशा दिखा सकती है। बैकअप प्लान बनाएं, अपने लिए इमोशनल और फाइनेंशियल सपोर्ट सिस्टम तैयार रखें, दोस्त, फैमिली या अपनी नौकरी पर फोकस। खुद को प्राथमिकता दें, अपने आत्म-सम्मान और मेंटल हेल्थ को सबसे ऊपर रखें।लॉन्ग डिस्टेंस में रिश्ता तभी चलता है जब भरोसा और बातचीत मजबूत हो।

अपने पति के साथ नियमित कॉल्स करें, हफ्ते में एक बार लंबी बात, बाकी दिन छोटे-छोटे अपडेट्स। अपनी जिंदगी की बातें शेयर करें, जैसे आज ऑफिस में क्या हुआ या आपने क्या नया ट्राई किया। उन्हें भी ऐसा करने के लिए कहें। इससे दूरी कम लगेगी।

न्यूयॉर्क की सड़कों पर हाथ थामे नजर आए रश्मिका-विजय,सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो, यूजर्स बोले- पहले से शादीशुदा लगते हैं

मुंबई। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को रविवार को न्यूयॉर्क सिटी में आयोजित 43वें

इंडिया डे परेड के दौरान एक साथ देखा गया। दोनों की वीडियो भी सामने आई है, जिसमें वह एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देखने के बाद यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। वीडियो में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को न्यूयॉर्क के मैनहैटन की सड़कों पर हाथ में हाथ डालकर चलते देखा जा सकता है। हालांकि, जैसे ही उन्होंने कैमरों को देखा, दोनों ने तुरंत एक-दूसरे का हाथ छोड़ दिया और फैंस की ओर मुस्कुराकर हाथ हिलाने लगे।इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, दोनों साथ में कितने प्यारे लगते हैं।, दूसरे ने लिखा, मुझे तो ये पहले से ही शादीशुदा लगते हैं।, तीसरे ने लिखा, दोस्तों मेरा क्लेम है (विजय + रश्मिका) इतने लंबे समय बाद वापस आ गया है। वो वाइब, वो ग्रेस, वो क्यूटनेस सच कहूं तो आज रात मुझे नींद नहीं आने वाली और ऊपर से ये लोग हाथों में हाथ डाले हुए थे। इसके अलावा कई और यूजर्स ने कमेंट्स किए हैं।रश्मिका और विजय को अक्सर साथ देखा जाता है। दोनों को कई बार डेट पर जाते देखा गया है। जिसके चलते दोनों के रिलेशनशिप में होने की अफवाह है। हालांकि, दोनों ने अब तक अपने रिलेशनशिप पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।